राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 27 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-331 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंड के मौसम में 'हीटर' ट्रेन चलाने की तैयारी

- अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आया है रेलवे
- नई दिल्ली से श्रीनगर के लिए तैयार हो रही स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आई है। यात्रियों को मिली इस खुशखबरी से लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी खत्म होने जा रहा है। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए सर्दियों के मौसम में गर्मी का एहसास दिलाने की तैयारी की है। अब आप बिना ठंड महसूस किए ही बर्फ की वादियों के नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। दरअसल भारतीय रेलवे एसी वाली स्लीपर ट्रेन चलाने जा रही है। इस कोच को गर्म रखने के लिए इक्विपमेंट्स लगे हुए हैं। इसको लेकर सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। ये ट्रेन नए साल में नई दिल्ली से कश्मीर तक चलाया जाएगा। इस ट्रेन को कश्मीर में दहशतगर्दों से बचाने के लिए सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी 2025 में ये ट्रेन रफ्तार भरेगी। इसके साथ ही जल्दी ही इस ट्रेन के लिए बुकिंग भी शुरू की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इंडियन रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि स्लीपर वाली एसी ट्रेन के कोच के भीतर हीटिंग की सुविधा होगी। ये इस वजह से किया जा रहा है क्योंकि ट्रेन रूट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बर्फ से ढके इलाके से गुजरती है। जानकारी के अनुसार इस ट्रेन में 22 कोच होंगे। वहीं इस ट्रेन रूट पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को कुछ दिन और आगे बढ़ा दिया गया है। रेलवे के अधिकारी के अनुसार उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना को कटरा से बारामूला तक आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन चेयर कार सीटिंग चलाई जाएगी। इस ट्रेन को विशेष तौर पर ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। हिमालय वाले क्षेत्र में बर्फबारी को देखते हुए कोच के पहिये और इंजन के सामने के कांच को बर्फ जमा होने से बचाने के तौर पर तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में उतरे राहुल गांधी

लाठीचार्ज पर बिहार की नीतिश सरकार को जमकर घेरा

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की निंदा करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए इस कार्य को अंजाम दिया गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दृष्टिकोण सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। बीपीएससी की ओर से 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (पीएससी) के प्रश्न पत्र लीक होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा रदद करने की मांग को लेकर बुधवार को पटना में विरोध-प्रदर्शन किया, जिस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्र ने बताया था कि पुलिसकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर उस समय लाठीचार्ज करना पड़ा, जब उनमें से कुछ बैरिकेड तोड़कर बीपीएससी कार्यालय तक पहुंच गए और यातायात बाधित किया। राहुल गांधी ने लाठीचार्ज का वीडियो भी साझा किया।

संभल में मिला 'मृत्यु कूप, शुरू हुई खुदाई

पुराणों में भी जिक्र होने का दावा, सियासत शुरू

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में बिजली चोरी को लेकर सर्च अभियान के दौरान मिले 46 साल पुराने शिव मंदिर के बाद से उसके आसपास के इलाकों से कई धार्मिक स्थलों का खुलासा हुआ है। प्रशासन को मंदिर के बाद बिलारी की रानी की बावड़ी मिली थी, जिसमें खुदाई काम जारी है। इस बीच ही संभल की सरथल चौकी के पास एक पुराना कूप मिला है, जो कि मृत्यु कूप बताया जा रहा है। इलाके में कुआं मिलने को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कूप को मृत्यु कूप के तौर पर जाना

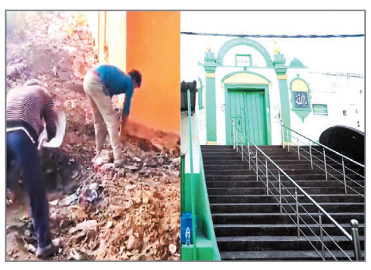

जाता है। इसको लेकर दावा किया जाता है कि इस कुएं के जल से स्नान करने पर मोक्ष की प्राप्ति होने की संभावना है। प्रशासन को मिला ये मृत्यु कूप शाही जामा मस्जिद से 150 मीटर की दूरी पर है। इसके चलते प्रशासन ने खुदाई शुरू कर दी है। संभल में मिले इस मृत्यु कूप को लेकर आस-पास के लोगों का कहना है कि इस कुएं का जिक्र स्कंदपुराण में भी है। स्थानीय लोगों ने कहा है कि प्राचीन कूप के पास ही महामृत्युंजय तीर्थ भी स्थित है। उनका कहना है कि दूसरे समुदाय के लोग इस तीर्थ की जमीन पर मालिकाना हक जताते रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस कूप का प्राचीन महत्व बताते हुए कहा कि इस कूप के जल से स्नान करने से मोक्ष प्राप्त होने की मान्यता थी। संभल में 68 तीर्थों और 19 कूपों की खोज हो रही है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित हुए सत्रह बच्चे

सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर को बाल पुरस्कार, उम्र 3 साल

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित, पीएम बोले- बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। बाल पुरस्कार सात कैटेगरी में दिए गए हैं। जिसमें आर्ट एंड कल्चर, बहादुरी, इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोशल वर्क, स्पोर्ट्स एंड एनवॉयरमेंट शामिल है। खेल कैटेगरी से चर्चित नाम 3 साल के अनीश सरकार का है। जो फिडे (वर्ल्ड चेस फेडरेशन) रैंकिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम

उम्र के शतरंज प्लेयर हैं। उधर पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा- अगर हम मैन्यूफैक्चरिंग पर काम करें तो उसमें हम दुनिया में बेस्ट हों। अगर स्पेस सेक्टर में काम करें तो दुनिया में बेस्ट हों। बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित करता है। मैंने लाल किले से भी कहा था कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। हमारे युवा जिस सेक्टर में हों वहां बेस्ट का प्रयास करें। इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है।

रोहिंग्या पर अराकान आर्मी और बांग्लादेशी सेना में 'दोस्ती'

नेपीडा (एजेंसी)। म्यांमार के रखाइन राज्य में विद्रोही अराकान आर्मी और जुंटा सेना के बीच चल रहे संघर्ष ने बीते कुछ दिनों में अहम मोड़ लिया है। अराकान आर्मी ने रखाइन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। इनमें वो इलाके भी शामिल हैं, जो बांग्लादेश के बॉर्डर पर हैं। ऐसे में अब बांग्लादेश बॉर्डर पर इसका नियंत्रण है। दूसरी ओर इस

संघर्ष ने बड़े पैमाने पर रोहिंग्या मुस्लिमों और दूसरे अल्पसंख्यकों को रखाइन छोड़कर बांग्लादेश में शरण लेने को मजबूर किया है। इससे सीमा पर एक मानवीय संकट है और तनाव भी पैदा हुआ है। म्यामांर सीमा पर खड़े हुए इस संकट के बीच अराकान ने बांग्लादेश सेना से संपर्क किया है। इस संकट के बीच महत्वपूर्ण आपूर्ति लाइनों को सुरक्षित करने में बांग्लादेश का समर्थन चाहता है।

महाकुंभ पेशवाई...

नर व पिशाचों का तांडव काली का दिखा रौद्र रूप

- संत के सीने पर ईंट रख हथौड़े से तोड़ी, हाथी-घोड़े पर साधुओं की धमक

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में 26 दिसंबर को श्रीपंच अग्नि अखाड़े का छावनी प्रवेश हुआ। 36 साल बाद पेशवाई माफिया अतीक के गढ़ माने जाने वाले शहर पश्चिम से होकर गुजर रही है। कई राज्यों से पहुंचे करीब एक हजार साधु-संत खुल्दाबाद चौफटका से निकलकर 13 किमी शहर भ्रमण करते हुए महाकुंभ में प्रवेश किया। साधु-संत और नागा सन्यासी हाथी-घोड़े पर सवार होकर निकले हैं। सड़क किनारे खड़े लोग उन पर फूल बरसा रहे हैं। हर-हर महादेव और हर-हर गंगे का उद्घोष गूंज रहा है। छावनी प्रवेश यात्रा में आगे अखाड़े का धर्म ध्वजा लेकर संत चल रहे हैं। इसके बाद अखाड़े के 5 महामंडलेश्वर और एक आचार्य महामंडलेश्वर बग्घी पर सवार हैं। महाकुंभ में यह चौथा अखाड़ा प्रवेश कर रहा है। इससे पहले 22 दिसंबर को पंचदशनाम आह्वान अखाड़ा, 13 दिसंबर को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा और किन्नर अखाड़े ने प्रवेश किया था।

गुलमर्ग से भी ठंडा रहा श्रीनगर पहुंचा पारा माइनस छह डिग्री

- एमपी-यूपी और राजस्थान में ओला-बारिश की चेतावनी
- दिल्ली में कोहरे के चलते 18 ट्रेनें लेट, शीतलहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में शीतलहर जारी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। आईएमडी ने मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल के कुछ हिस्सों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाओं के कारण मध्य भारत और दिल्ली-एनसीआर में बारिश होगी। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते श्रीनगर में पारा माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर, गुलमर्ग से भी ठंडा रहा। यहां पारा शून्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। हालांकि, श्रीनगर में इस सीजन में अब तक बर्फबारी नहीं हुई है। हिमाचल में बर्फबारी के बाद तीन नेशनल हाईवे समेत करीब 134 सड़कें बंद कर दी गई हैं। कोकसर में सबसे ज्यादा 5.6 सेमी बर्फबारी हुई।

'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' भजन पर पटना में कोहराम

- गायिका को मांगनी पड़ी सार्वजनिक माफी, लालू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना
- सिंगर को 'जय श्रीराम' के नारे लगाने पड़े, 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम की घटना

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में गुरुवार को अटल जयंती समारोह में महात्मा गांधी के भजन रघुपति राघव राज राम...को लेकर हंगामा हो गया। भजन गायिका देवी को माफी मांगनी पड़ी। जय श्रीराम के नारे लगाने पड़े तब जाकर मामला शांत हुआ और कार्यक्रम दोबारा शुरू हुआ। उधर, इस घटना पर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि गांधीजी का भजन गाया तो नीतिश कुमार के भाजपाई साथियों ने हंगामा कर दिया। ओछी समझ के लोगों की भावनाएं आहत हो गईं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने 25 दिसंबर को पटना के बापू सभागार में 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम आयोजित किया था। गायिका देवी को कार्यक्रम में परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया था। कार्यक्रम में देवी ने 'भारत माता की जय' और 'अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहे' के नारे

लगाए। इसके बाद उन्होंने जब रघुपति राघव राजा राम गुनगुनाना शुरू किया। देवी ने जब भजन की लाइन 'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' गाया तो सभागार में मौजूद करीब 60-70 युवा कार्यकर्ता नाराज हो गए। इसके बाद सभी अपने स्थान पर खड़े होकर 'जय श्री राम' का नारा लगाने लगे। इस पर गायिका देवी ने कहा- भगवान हम सभी के हैं और उनका उद्देश्य केवल राम को याद करना था। हालांकि, इसका असर नहीं हुआ, तो आयोजकों ने बीच में हस्तक्षेप किया। आयोजकों के हस्तक्षेप से भी जब बात नहीं बनी, तो देवी ने कहा भगवान हम सभी के हैं। अगर आपके दिल को ठेस लगी है, तो मैं सॉरी कहती हूं। इसके बाद भी लोग संतुष्ट नहीं हुए और नारे लगाते हुए बाहर निकलने लगे। इस पर देवी ने भी 'जय श्रीराम' का नारा लगाया। फिर आयोजकों ने मंच से कहा कि भारत मां की हम सभी संतान हैं। इस तरह से हम अपना परिचय नहीं देते हैं। विवाद के बाद सिंगर देवी ने कहा- ये विवाद अनएक्सपेटेड था।

हमास, हिज्बुल्लाह के बाद अब हूतियों को खत्म करेगा इजरायल!

- नेतन्याहू ने खाई कसम, एक्सपर्ट बोले- यमन को गाजा मत समझना

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल को बीते 14 महीनों में फिलिस्तीनी गुट हमास और लेबनानी संगठन हिजबुल्लाह के खिलाफ लड़ाई में बड़ी कामयाबी मिली है। इजरायली आर्मी के हमलों ने इन दोनों सशस्त्र गुटों को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। हमास और हिजबुल्लाह के बाद इजरायल अब यमन के हूती विद्रोहियों पर हमले तेज कर रहा है। बीते कुछ दिनों में इजरायल की ओर से यमन के हूतियों पर कम से कम पांच बार बमबारी हुई है। इसमें

यमन में कई प्रमुख बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री काट्ज ने हूतियों की आक्रामकता का कड़ा जवाब देने की कसम खाई है। इससे इजरायल और यमन में लड़ाई तेज होने का अंदेशा है। दोनों पक्षों में संघर्ष तेज होता है तो यह पश्चिम एशिया के भूराजनीतिक समीकरणों को बदल सकता है। इजरायल ने बीते साल 7 अक्टूबर को हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा करते हुए गाजा में हमला किया था। 14 महीने की लड़ाई में गाजा पर शासन करने वाला हमास एक कमजोर विद्रोही समूह बन गया है।

इसके ज्यादातर बड़े नेता मारे गए हैं और बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है। लेबनान के गुट हिजबुल्लाह ने फिलिस्तीनियों के समर्थन में इजरायल पर हमले किए थे। बीते कुछ महीनों में इजरायल के हवाई हमलों में लेबनान में भारी तबाही हुई और हिजबुल्लाह का नेतृत्व खत्म हो गया है। हिजबुल्लाह और इजरायल में हाल ही में युद्ध विराम हो गया है। हमास भी इजरायल के साथ समझौते की ओर बढ़ रहा है। ईरान और हिजबुल्लाह के युद्ध में उलझने का सीरिया में भी विपक्षी समूहों ने मौके का फायदा उठाया है। यहां विद्रोही गुटों ने लंबे समय से शासक रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया। असद के सत्ता से बाहर होने के बाद ईरान और हिजबुल्लाह ने सीरिया में अपनी रणनीतिक पकड़ खो दी है, जो इजरायल की बड़ी जीत है। वहीं इराक में ईरान समर्थित शिया मिलिशिया ने भी इजरायल से ना लड़ने का फैसला लिया है।

24 घंटे का अल्टीमेटम...

केजरीवाल पर 'एफआईआर' से भड़की आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये और बुजुर्गों के मुफ्त इलाज से जुड़े आम आदमी पार्टी के वादे पर सियासत गरम है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर इन कथित स्कीम्स का रजिस्ट्रेशन शुरू कर चुके हैं। दूसरी तरफ, दिल्ली सरकार के ही अलग-अलग विभाग अखबारों में विज्ञापन देकर जनता को आगाह कर रहे हैं कि ऐसी किसी योजना का कोई अस्तित्व ही नहीं है, अधिसूचित ही नहीं हैं, लिहाजा ऐसी किसी योजना

के वादों के बहकावे में न आएं और अनधिकृति व्यक्तियों से निजी और संवेदनशील जानकारियों को शेयर न करें। विपक्षी बीजेपी और कांग्रेस ने इसे जनता को गुमराह करना बताया है। यूथ कांग्रेस ने तो पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत देकर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा का केस दर्ज किया जाए। दिलचस्प बात ये है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिर्जा गालिब : शायरी और गजल के शिखर फनकार थे

(लेखक - ललित गर्ग)

मिर्जा गालिब जयन्ती- 27 दिसम्बर, 2024)

मिर्ज़ा का जीवन अनेक विलक्षणताओं एवं विशेताओं का समवाय था। उनके विषय में पहली बात तो यह है कि वह अत्यन्त शिष्ट, शालीन एवं मित्रप्रेमी थे। जो कोई उनसे मिलने आता, उससे खुले दिल से मिलते थे। इसीलिए जो आदमी एक बार इनसे मिलता था, उसे सदा इनसे मिलने की इच्छा बनी रहती थी। मित्रों के प्रति अत्यन्त वफ़ादार थे। उनकी खुशी में खुशी, उनके दु:ख में दु:खी। मित्रों को देखकर बाग़-बाग़ हो जाते थे। उनके मित्रों का बहुत बड़ा दायरा था। उसमें हर जाति, धर्म और प्रान्त के लोग थे। वैसे वे शिया मुसलमान थे, पर मज़हब की भावनाओं में बहुत उदार और स्वतंत्र चेता थे।

मिर्ज़ा असदुल्लाह बेग ख़ान, जो अपने तख़ल्लुस ग़ालिब से जाने जाते हैं, उर्दू एवं फ़ारसी भाषा के एक महान शायर थे। इनको उर्दू भाषा का सर्वकालिक एवं सार्वदैशिक महान शायर माना जाता है और फ़ारसी कविता के प्रवाह को हिन्दुस्तानी जबान में लोकप्रिय बनाने वाले वे एक महान् फनकार थे। हर मोहब्बत करने वाला आशिक मिर्जा गालिब के शेर, शायरी और गजल जरूर पढ़ता है। हर कोई उनकी शायरी का कायल है। मिर्जा ग़ालिब सर्व-धर्म-सद्भाव एवं मानवीय चेतना के चितेरे थे एवं गहन संवेदनाओं के शिखर सृजनकार थे। ग़ालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक एवं बहुआयामी था। ग़ालिब में जिस प्रकार शारीरिक सौंदर्य था, उसी प्रकार उनकी प्रकृति में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी थी और ये सब विशेषताएं उनकी कविता एवं शायरी में यत्र-तत्र झलकती रहती हैं। चिन्ताओं से संघर्ष में इनकी सहायक एक तो थी शराब, जिन्दगी के अंतिम समय में जुए की लत भी लग गई। उन्हें शुरू से शतरंज और चौसर खेलने की आदत थी। अक्सर मित्र-मण्डली जमा होती और खेल-तमाशों में वक्त कटता था। अपने मदिरा प्रेम के कारण जो भाव प्रकट किए हैं, वे शेर ऐसे चुटीले तथा विनोदपूर्ण हैं कि उनका जोड़ उर्दू कविता में अन्यत्र नहीं मिलता। गालिब ने शायरी और गजल को एक नया रूप दिया। गालिब के पहले गजल को केवल प्रेम के संदर्भ में देखा जाता है लेकिन उन्होंने गजल में ही जीवन के दर्शन और रहस्यों को दर्शाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी शायरी के कारण वे न सिर्फ हिन्दुस्तान बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर हैं। आज भी उनका नाम बड़े अदब के साथ लिया जाता है।

गालिब की प्रारम्भिक शिक्षा के बारे में स्पष्टत: कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने अधिकतर फारसी और उर्दू में पारम्परिक मानवीयता, भक्ति और सौन्दर्य रस पर रचनायें लिखी। उन्होंने फारसी और उर्दू दोनो में पारंपरिक गीत काव्य की रहस्यमय-रोमांटिक शैली में सबसे व्यापक रूप से लिखा और यह गजल के रूप में जाना जाता है। उनकी शायरियों में गहन साहित्य और क्लिष्ट भाषा का समावेश था। उन्होंने अपनी शायरी का बड़ा हिस्सा असद के नाम से लिखा है। गालिब हिंदुस्तान में उर्दू अदबी के दुनिया के सबसे रोचक किरदार थे। उनकी जड़ें तुर्क से थीं। वे फारसी कविता को भारतीय भाषा में लोकप्रिय करने में माहिर थे, उन्हें पत्र लिखने का बहुत शौक था। इसीलिए उन्हें पत्र-पुरोधा भी कहा जाता था। आज भी उनके पत्रों को उर्दू साहित्य में एक अहम विरासत माना जाता है। मिर्जा गालिब ने 11 वर्ष की छोटी उम्र में ही अपनी पहली कविता लिखी थी। मिर्जा गालिब की मातृभाषा उर्दू थी लेकिन तुर्की और फारसी भाषाओं पर भी उनकी अच्छी पकड़ थी। उन्होंने अरबी, फारसी, दर्शन और तर्कशक्ति का भी अध्ययन किया था।

गालिब इश्क को जीते थे। वह इश्क का आखिरी छोर थे। उनकी नज्में और शेर ने सालों साल इश्क की तहजीब दुनिया को दी है। अगर हम यूं कहें कि इश्क गालिब से शुरू होता है तो यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं होगी। उनका हर शेर एक जिंदादिल आशिक की तरह इश्क की रस्मों को निभाता है। उनका जीवन संघर्ष से भागते या पलायन करते हुए नहीं बिता और न इनकी कविता एवं शायरी में कहीं निराशा का नाम है। वह इस संघर्ष को जीवन का एक अंश तथा आवश्यक अंग समझते थे। मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यन्त निपुण थे और यह वर्णनशैली ऐसे नए ढंग की है कि इसे पढ़कर शताब्दियों बाद भी पाठक मुग्ध हो जाता है।

मिर्ज़ा का जीवन अनेक विलक्षणताओं एवं विशेताओं का समवाय था। उनके विषय में पहली बात तो यह है कि वह अत्यन्त शिष्ट, शालीन एवं मित्रप्रेमी थे। जो कोई उनसे मिलने आता, उससे खुले दिल से मिलते थे। इसीलिए जो आदमी एक बार इनसे मिलता था, उसे सदा इनसे मिलने की इच्छा बनी रहती थी। मित्रों के प्रति अत्यन्त वफ़ादार थे। उनकी खुशी में खुशी, उनके दु:ख में दु:खी। मित्रों को देखकर बाग़-बाग़ हो जाते थे। उनके मित्रों का बहुत बड़ा दायरा था। उसमें हर जाति, धर्म और प्रान्त के लोग थे। वैसे वे शिया मुसलमान थे, पर मज़हब की भावनाओं में बहुत उदार और स्वतंत्र चेता थे। ग़ालिब सदा किराये के मकानों में रहे, अपना मकान न बनवा सके। ऐसा मकान ज्यादा पसंद करते थे, जिसमें बैठकख़ाना जरूर हो और उनके दरवाज़े भी अलग हों, जिससे यार-दोस्त बेझिझक आ-जा सकें। खाने-खिलाने के शौक़ीन, स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रेमी थे। उन्हें हम स्नेह एवं मित्रता की छांह देने वाले बरगद कहे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

हर जुबां का वो आसरा...उसके दिल में धड़कता था आगरा... उनका जन्म आगरा में 27 दिसंबर 1797 को एक सैनिक पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। उनका पूरा बचपन ताजनगरी में ही बीता। गालिब की पृष्ठभूमि एक तुर्क परिवार से थी और इनके दादा मिर्जा कोबान बेग खान मध्य एशिया के समरकन्द से सन् 1750 के आसपास अहमद शाह के शासन काल में भारत आये। उन्होंने दिल्ली, लाहौर व जयपुर में काम किया और अन्ततः आगरा में बस गये। जवानी के दहलीज पर कदम रखते ही वह दिल्ली चले आए। यहां जाने के बाद भी ताउम्र मिर्जा गालिब के दिल व दिमाग में आगरा छाया रहा। आगरा में गालिब के जन्मस्थान को 'इन्द्रभान कन्या अन्तर महाविद्यालय' में बदल दिया गया है, जिस कमरे में गालिब का जन्म हुआ था उसे आज भी सुरक्षित रखा गया है। दिल्ली के चांदनी चौक के बल्लीमारान इलाके के कासिम जान गली में स्थित गालिब के घर को 'गालिब मेमोरियल' में तब्दील कर दिया गया।

बहादुर शाह जफर द्वितीय ने 1850 ई. में गालिब को 'दबीर-उल-मुल्क' और 'नज्म-उद-दौला' की उपाधि प्रदान की थी। इसके अलावा बहादुर शाह जफर द्वितीय ने गालिब को 'मिर्जा नोशा' की उपाधि प्रदान की थी, जिसके बाद गालिब के नाम के साथ 'मिर्जा' शब्द जुड़ गया। तबियत से खुद एक शायर बहादुर शाह जफर द्वितीय ने कविता सीखने के उद्देश्य से 1854 में गालिब को अपना शिक्षक नियुक्त किया था। बाद में बहादुर शाह जफर ने गालिब को अपने बड़े बेटे 卐शहजादा फखरूदीन मिर्जा卐 का भी शिक्षक नियुक्त किया था। इसके अलावा गालिब मुगल दरबार में शाही इतिहासविद के रूप में भी काम करते थे। साल 1847 में जुआ खेलने के जुर्म में गालिब को जेल भी जाना पड़ा था और उन्हें 200 रूपए जुर्माना और सश्रम कारावास की सजा दी गई थी। एक मुसलमान होने के बावजूद गालिब ने कभी रोजा नहीं रखा। मुसलमान होने के प्रश्न पर एक अंग्रेज कर्नल को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं आधा मुसलमान हूं। ये जवाब सुनकर अंग्रेज कर्नल ने अगला सवाल दागा और पूछा कि ऐसा कैसे कि आप आधे मुसलमान हैं? इसके जवाब में मिर्जा गालिब ने कहा, हां, क्योंकि मैं शराब तो पीता हूं लेकिन सुअर नहीं खाता। मिर्जा गालिब का यह जवाब सुनकर अंग्रेज कर्नल अपनी हंसी नहीं रोक पाया। एक बार गालिब आम खा रहे थे। जमीन पर छिलके जमा कर रखे थे। वहां खड़े एक व्यक्ति ने उन छिलकों को अपने गधे को खाने के लिए दिया। गधे ने उन छिलकों को खाने से इंकार कर दिया। इस पर सज्जन व्यक्ति ने गालिब का मजाक उड़ाते हुए कहा कि 'गधे भी आम नहीं खाते हैं।' इस पर गालिब ने अपनी हाजिर जवाबी का परिचय देते हुए कहा कि 'गधे ही आम नहीं खाते हैं।'

मिर्जा गालिब का एक बहुत मशहूर शेर है 'ये इश्क नहीं आसान, बस इतना समझ लीजिये, इक आग का दरिया है और डूबकर जाना है।' न जाने गालिब ने किन परिस्थितियों में ये शेर गढ़ा होगा। लेकिन ऐसा लगता है कि इश्क पर जो पहरा उस सदी में था वह आज इक्कीसवीं सदी के ग्लोबल इंडिया में भी है। जिंदगी जीने के तमाम तरीके भले ही बदल गए हों, लेकिन प्यार मोहब्बत को देखने का हमारा पारिवारिक-सामाजिक-धार्मिक नजरिया आज भी सदियों पुराना है। मिर्जा गालिब ने बेहतरीन शेर लिखे हैं- इस सादगी पे कौन न मर जाए ऐ खुदा, लड़ते हैं और हाथ में तलवार भी नहीं। दरअसल मिर्जा गालिब अपनी हाजिर जवाबी के लिए मशहूर थे। इस दौरान भी इश्क ने 'गालिब' निकम्मा कर दिया, वर्ना हम भी आदमी थे काम के। मौत का एक दिन मुअय्यन है, नींद क्यूं रात भर नहीं आती...। गालिब की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, उन्होंने अपनी जिंदगी में अपने कई अजीजों को खोया।

संपादकीय

वक्त की आवाज़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये-नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म-संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफ से प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफ से इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी, सियासी संघर्ष और किसानों की चिंताएं

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर सियासी घमासान चरम पर है। किसानों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर तीखे आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। वहीं, किसान संगठन भी अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर मुखर हैं। यह मुद्दा प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा विमर्श बन गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर धान खरीदी में अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए इसे किसानों के साथ धोखा करार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बेमेतरा जिले में अधिकांश धान खरीदी केंद्र बंद पड़े हैं। उन्होंने कहा, विधानसभा में भाजपा सरकार यह दावा करती है कि धान खरीदी की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है कई जगहों पर किसानों को परेशान किया जा रहा है और धान खरीदा ही नहीं जा रही है । वहीं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भी भाजपा पर किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार केवल कागजों पर धान खरीदी का दिखावा कर रही है। किसानों की परेशानियों और खरीदी केंद्रों में हो रही अव्यवस्था को भाजपा नेता देख ही नहीं पा रहे हैं। इन सब बयानों को भाजपा ने नकारते हुए इसे विपक्ष की राजनीति बताया है। भाजपा के महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस केवल अपने अस्तित्व को बचाने के लिए एक कृत्रिम समस्या खड़ी कर रही है। वह किसानों के नाम पर राजनीति करने में जुटी हुई है। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कांग्रेस के शासनकाल पर ही सवाल उठा दिया है उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने समय में किसानों के लिए कुछ नहीं किया। अब वे सिर्फ किसानों के नाम पर केवल आरोप लगाने का काम कर रहें हैं। धान खरीदी को लेकर किसानों के बीच नाराजगी बढ़ रही है। किसान संगठनों ने टोकन व्यवस्था और बारदाने की कमी को लेकर सरकार से सवाल उठा दिया हैं। भारतीय किसान यूनियन के महासचिव तेजराम विद्रोही ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि धान खरीदी केंद्रों में टोकन जारी करने में गड़बड़ियां हो रही हैं। बारदाने की कमी के कारण किसानों को समय पर धान बेचने में दिक्कतें हो रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि का लाभ भी किसानों तक नहीं पहुंच रहा है। वहीं संयुक्त किसान मोर्चा के प्रवक्ता वेगेंद्र ने धान खरीदी की सीमा बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि किसानों को राहत देने के लिए समिति में धान खरीदी की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। वर्तमान सीमा से किसानों को नुकसान हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन सब आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी तरह से सुचारू है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल राजनीति कर रहा है। किसानों के हित में हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और धान खरीदी की व्यवस्था को बेहतर बनाया है। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का मुद्दा न केवल किसानों के जीवन और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह राज्य की राजनीति के केंद्र भी है। सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की इस लड़ाई में सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार इस जटिल समस्या का समाधान कैसे करती है। क्या किसानों को उनकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा, या यह विवाद केवल राजनीतिक मंचों तक ही सीमित रहेगा? फिलहाल, छत्तीसगढ़ के किसानों को राहत दिलाने और धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

(लेखक - सत्यप्रकाश दुबे/ईएमएस)

(चिंतन-मनन)

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए।

खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

विचार मंथन

हर घर में नल जल योजना में भारी लूट

(लेखक- सनत जैन)

जल जीवन मिशन, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। यह योजना भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की पर्याय बन गई है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों मे इस योजना की खामियों और भ्रष्टाचार की लूट को उजागर किया है। जिससे स्पष्ट है, इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे सरकारी तंत्र का प्रचार-प्रपंच और कर्ज के धन मे भारी लूट और आम लोगों की बर्बादी छिपी हुई है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार ने राज्यों को 8,957.50 करोड़ रुपये जारी किए। इसके बावजूद परियोजना आधी अधूरी है। राज्यों ने केंद्र सरकार से अतिरिक्त 3,200 करोड़ रुपये की मांग की है। पूर्व में आवंटित धन का सही उपयोग नहीं हो पाया। पानी नहीं है लेकिन पाइपलाइन डल गई। खेतों में पाइप लाइन डाल दी गई ठेकेदार और अधिकारियों ने जल जीवन मिशन में भारी लूट की है। जहां हर घर में पानी देने की बात कही जा रही थी। जहां योजना लागू कर दी गई है। वहां 50 फीसदी घरों में भी नल जल के कनेक्शन नहीं किए जा सके हैं। यह इस बात का संकेत करता है, कि सरकारी विभागों और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत से योजना के सरकारी धन का भ्रष्टाचार के रूप में दुरुपयोग हुआ है। योजना की धीमी प्रगति और असफलता के पीछे कई कारण हैं। गांवों में सही सर्वेक्षण न होना, पाइपलाइन बिछाने में देरी, जलश्रोतों की अनुपलब्धता जैसी कई समस्याओं ने इस योजना को जटिल बना दिया। जहां पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, वहां गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से स्पष्ट है, 5,546 योजनाओं की डीपीआर तैयार है, इनमें अधिकांश योजनाओं को शुरू करने में देरी हो रही है। इस देरी के पीछे प्रशासनिक औपचारिकताएं और भ्रष्टाचार प्रमुख कारण है। यह स्थिति सिर्फ वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा नहीं करती, बल्कि यह भी दिखाती है कि सरकार की प्राथमिकताएं प्रचार और दिखावे तक ही सीमित हैं। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव सरकारी लूट का सबसे बड़ा उदाहरण है। सरकार को चाहिए कि वह इस योजना में हो रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की गहन जांच कराए। भ्रष्टाचार और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना चाहिए। जनता के पैसे का सही उपयोग सुनिश्चित हो। विश्व बैंक और अन्य योजनाओं से कर्ज लेकर जल जीवन मिशन की योजना शुरू की गई थी। इसमें गांव-गांव में हर नागरिक तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया गया था। लेकिन यह योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। अब ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों को बोला जा रहा है वह अपने आर्थिक संसाधनों से इस योजना को चालू करें। पंचायत और नगरीय निकाय खुद आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में वह इस योजना के खर्च को बर्दाश्त करने की स्थिति में ही नहीं है। बिजली का बिल चुकाने की भी उनकी हैसियत नहीं है। जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रम तभी सफल हो सकते हैं, जब वे ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू हों। जिन लोगों के लिए यह योजना तैयार की गई है। उनको इसका लाभ किस तरह से मिल सकता है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, नगरीय एवं ग्रामीण संस्थाओं की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए थी। जल स्रोत और बिजली उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत थी। पाइपलाइन कहीं से कहीं डाल दी गई। इसका कोई प्लान तैयार नहीं किया गया, जिसके कारण यह योजना शुरू होने के पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ चुकी है। हर घर नल योजना का केंद्र एवं राज्य सरकार ने प्रचार बहुत किया लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में 10 फीसदी लोगों के पास भी शुद्ध पेयजल नहीं पहुंचा है। यह योजना की हकीकत है। पंचायत और नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। हर घर तक पानी पहुंचाने के लिए बिजली और अन्य उपकरणों के रख-रखाव मे होने वाले खर्च

की जिम्मेदारी राज्य और केंद्र सरकार को उठाना होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो जो पाइपलाइन बिछाई गई है। हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने की जो योजना शुरू की गई है, वह कागज तक सिमट कर रह जाएगी। जल जीवन मिशन में जो भ्रष्टाचार किया गया है तथा योजना को सही तरीके से लागू नहीं करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर केंद्र एवं राज्य सरकार को कठोर कार्रवाई भी करनी होगी। तभी यह योजना सफल हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने के बाद अब चांदी पर भी हॉलमार्किंग की तैयारी

नई दिल्ली । चांदी और ज्वेलरी खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है क्योंकि सरकार नए नियम ला रही है जो उनकी हितों की सुनिश्चित करने के लिए होगा। अब चांदी के सिक्कों और ज्वेलरी पर हॉलमार्किंग का नियम शुरू हो सकता है। इस नियम के लागू होने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। इस समय सोने के लिए हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम का उपयोग हो रहा है और अब चांदी से बनी वस्तु ओं पर भी हॉलमार्किंग का प्लान बन रहा है। हालांकि, चांदी पर हॉलमार्किंग करने में एक बड़ी चुनौती है क्योंकि चांदी अधिक प्रदूषणकारी हो सकती है जिसके कारण आइडेंटिफिकेशन सिस्टम मार्क समय के साथ खराब हो सकता है। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए अब शोध जारी है ताकि चांदी को वायुमंडलीय प्रतिक्रियाओं से बचाया जा सके। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) तकनीकी समाधान की तलाश में है ताकि हॉलमार्किंग को चांदी की वस्तुओं पर लागू किया जा सके। एक बार तकनीकी समस्याएं हल हो जाएं तो चांदी पर हॉलमार्किंग को लागू करना संभव होगा। हॉलमार्किंग कोड हर ज्वेलरी के लिए अद्वितीय होता है और उपभोक्ताओं को यह सुनिश्चित करता है कि उनकी ज्वेलरी की गुणवत्ता और शुद्धता मानकों के अनुरूप है। इससे उपभोक्ताओं को सही कीमत मिलने की गारंटी होती है।

महाराष्ट्र में वाहनों के हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट की कीमत तय

- वाहन मालिकों को 531 से 879 रुपये तक की कीमत अदा करनी होगी

मुंबई । महाराष्ट्र में अप्रेल 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों में हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने बताया कि इस कार्रवाई के लिए वाहन मालिकों को 531 रुपये से 879 रुपये तक की कीमत अदा करनी होगी। वाहन के प्रकार के आधार पर यह लागत फिक्स की गई है, जैसे कि दोपहिया वाहनों के लिए 531 रुपये, ऑटो-रिक्शा के लिए 590 रुपये और बड़े वाहनों के लिए 879 रुपये। माना जा रहा है कि हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट का उपयोग दुर्घटनाओं और चोरी से बचाने के लिए ही नहीं, बल्कि यह एक अवसर भी प्रदान करेगा स्थानीय पुलिस को अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों के साथ भी इस कार्रवाई को लागू किया गया है। यह नया पहलू वाहनों के सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है और वाहन मालिकों को इसे ध्यान में रखकर सुरक्षित रहने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज की 238 करोड़ जुटाने की योजना

- निवेशकों को 1.19 अरब शेयर प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली । मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमएसई) ने अपने कारोबार को जारी रखने के लिए चार इकाइयों से 238 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी की है। ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स, जीरोधा की रेनमैटर इन्वेस्टमेंट्स, बीएसई-सूचीबद्ध शेयर इंडिया सिक्योरिटीज और सिक्यूरोकॉर्प सिक्योरिटीज इंडिया ने ये चार इकाइयां सभी मिलकर इस निवेश में शामिल होने का निर्णय लिया है। एमएसई की वेबसाइट पर मौजूद सूचना के अनुसार निवेशकों को 1.19 अरब शेयर प्रदान किए जाएंगे, जिसमें एक रुपये मूल्य और एक रुपये प्रीमियम शामिल होगा। ये निवेशक ने हाल ही में मंजूरी दी है। शेयर इंडिया सिक्योरिटीज ने एमएसई में 59.5 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस निवेश से शेयर इंडिया सिक्योरिटीज को 29.75 करोड़ शेयर मिलेंगे, जो उसकी उपस्थिति को वित्तीय सेवाओं तथा प्रतिभूति बाजार परिवेश में मजबूत करेगा। कंपनी के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस निवेश की महत्वपूर्णता को बताया और उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्वागत किया। इस नए निवेश से एमएसई के कारोबार की वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारतीय वित्तीय बाजार में स्थिरता और विश्वास बढ़ेगा।

अब सिगरेट, गुटखा और पान मसाला पर होगी यूनिक आईडी, टैक्स चोरी पर लगेगी लगाम

योजना लागू होने से सरकार इन उत्पादों की पूरी सप्लाई चेन पर रखेगी नजर

नई दिल्ली। तंबाकू, सिगरेट, गुटखा और पान मसाला पर अब यूनिक पहचान नंबर होगा। हर सिगरेट और तंबाकू के पाउच पर एक खास यूनिक आइडेंटिफिकेशन (यानी यूनीक आईडी) नंबर अंकित किया जाएगा। यह योजना टैक्स चोरी रोकने और सप्लाई चेन को ट्रैक करने के लिए बनाई जा रही है। यूनिक आईडी से हर सिगरेट और तंबाकू उत्पाद पर एक डिजिटल स्टैंप या यूनिक निशान लगा होगा। इसे हटाया या बदला नहीं जा सकेगा। इस यूनिक आईडी के जरिए सरकार इन उत्पादों की पूरी सप्लाई चेन पर नजर रखेगी और यह तय करेगी कि टैक्स चोरी न हो। पिछले साल सिगरेट पर 180 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के मामले सामने आए थे। इसके अलावा जीएसटी काउंसिल ने पाया कि कई उत्पादों की सप्लाई चेन में टैक्स चोरी की संभावना रहती है। इन मुद्दों को हल करने और टैक्स राजस्व बढ़ाने के लिए यह योजना लागू की जा रही है।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर एक डिजिटल स्टैंप या यूनिक साइन लगाया जाएगा। ट्रेस मैकेनिज्म टेक्नोलॉजी के जरिए सप्लाई चेन में हर उत्पाद का ट्रैक रखा जाएगा। फेमवर्क में इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए कानूनी ढांचा भी तैयार किया जाएगा।

जह्म जो कंपनियां यूनिक आईडी लागू नहीं करेंगी उन पर एक लाख या कुल टैक्स का 10 फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा। कई देशों ने पहले ही इस प्रकार के ट्रैक और ट्रेस सिस्टम को लागू किया है। यह सिस्टम टैक्स चोरी रोकने और अवैध उत्पादों पर लगाम लगाने में कारगर साबित हुआ है।

इस यूनिक आईडी से सरकार टैक्स चोरी करने वाली कंपनियों पर सख्त नजर रख सकेगी। उत्पाद कहां से आ रहे हैं और कहां जा रहे हैं यह आसानी से पता लगाया जा सकेगा। जीएसटी चोरी रुकने से सरकार को ज्यादा राजस्व मिलेगा। सरकार जल्द ही इस योजना के लिए नोटिफिकेशन जारी करेगी। टेक्नोलॉजी को अंतिम रूप देने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े

- ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । क्रिसमस के अगले ही दिन गुरुवार को तेल कंपनियों ने कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े महानगरों में कीमतें स्थिर रहीं। बिहार के पटना में पेट्रोल और डीजल के दाम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल 53 पैसे महंगा होकर 106.11 रुपये प्रति लीटर और डीजल 51 पैसे बढ़कर 92.92 रुपये प्रति लीटर हो गया। गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद समेत कई अन्य शहरों में भी मामूली बढ़ोतरी देखी गई। वहीं वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई के दाम में हल्की बढ़त ने इस बदलाव को प्रभावित किया है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का रेट 70.29 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर इस मामूली उछाल का असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर साफ दिखाई दे रहा है। भारत में ईंधन की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे अपडेट होती हैं। इनकी तय कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और वैट जैसे शुल्क जोड़ने के बाद उपभोक्ताओं को मिलने वाला दाम लगभग दोगुना हो जाता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में हलचल का असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.26 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.25 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा भारतीय मुद्रा को समर्थन देने में विफल रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.23 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.25 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.15 पर बंद हुआ था। क्रिसमस के अवसर पर बुधवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 107.90 पर रहा।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट बंद हुआ। बाजार की शुरुआत आज सुबह बढ़त के साथ हुई पर एशिया के दूसरे बाजारों की बंदी की वजह से बाद में इसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 0.39 अंक नीचे आकर 78,472.48 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 22.55 अंक ऊपर आकर 23,750.20 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार बार के दौरान सेंसेक्स के 17 शेयर गिरकर बंद हुए। इनमें सबसे अधिक टाइटन के शेयर नीचे आये। ये शेयर 1.05 फीसदी गिरकर 3320.80 रुपये पर बंद हुआ.। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और जोमैटो के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, सनफार्मा और भारती एयरटेल सहित 13 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

वहीं निफ्टी में 31 शेयर हरे लाभ पर जबकि 18 शेयर गिरावट पर रहे। एक शेयर बिना किसी बदलाव के साथ बंद हुआ। अदाणी पोर्ट्स को सबसे अधिक लाभ हुआ जबकि टाइटन का शेयर सबसे अधिक नीचे आया।। अदाणी पोर्ट्स के शेयर में 5.22 फीसदी बढ़त और टाइटन के शेयर में 1.17 फीसदी गिरावट रही।

साल के आखिरी एक्सपायरी के दिन घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन सपाट रहा, क्योंकि एशिया के दूसरे बाजारों में छुट्टियां थीं। ऑटो शेयरों में हाल ही में हुए सुधारों से लाभ देखा गया. हालांकि, मजबूत अमेरिकी डॉलर इंडेक्स और संभावित प्रतिकूल शुल्क और 2025 में दरों में कटौती की चिंताओं को देखते हुए एफआईआई आउटफ्लो और रुपये में गिरावट को लेकर चिंता बनी हुई है। इससे बाजार में सुस्ती का रुख बना हुआ है.÷

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेत और गिफ्ट निफ्टी की सुस्त चाल की बीच बाजार तेजी के साथ खुले। बुधवार को स्टॉक मार्केट क्रिसमस के कारण बंद रहे थे। वहीं पिछले ट्रेडिंग सेशन में मंगलवार को बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 सपाट नोट पर बंद हुए थे।

नए वर्ष से बदल जाएंगे कई नियम, सीधा आपकी जेब पर पड़ेगा असर

- नए नियम मध्यमवर्गीय लोगों के जीवन और बजट पर सीधा प्रभाव डालेंगे

नई दिल्ली । साल 2024 का अले विदा कहने वाला है और नया साल 2025 शुरू होने वाला है। 1 जनवरी से नया साल शुरू होते ही कई महत्वपूर्ण वित्तीय और सामाजिक नियमों में बदलाव आने वाला है। नए नियम मध्यमवर्गीय लोगों के जीवन और बजट पर सीधा प्रभाव डालेंगे। इन नियमों में राशन कार्ड, एलपीजी सिलेंडर, क्रेडिट कार्ड, और ईपीएफओ पेंशन सहित कई ऐसे आइटम शामिल हैं, जो हर नागरिक के लिए आवश्यक हैं। व्यापार क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। विशेषकर अमेजन इंडिया ने नए साल के साथ ही अपनी प्राइम मेम्बरशिप के नियमों में बदलाव करने की सूचना दी है। अब प्राइम वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए सिर्फ 2 टीवी पर ही सेवाएं उपलब्ध होंगी और अतिरिक्त मेम्बरशिप की आवश्यकता होगी। टेलीकॉम कंपनियों के लिए भी नए नियम तैयार हो रहे हैं। अब इन कंपनियों को ऑप्टिकल फाइबर और नए मोबाइल टावर लगाने के लिए ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी। यह नए नियम सर्विस प्रोवाइड करने और परेशानी कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। इसके अलावा वाहन उद्योग में भी बड़े बदलाव हुए हैं। कुछ प्रमुख कार कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी, हुंडई और महिंद्रा ने अपनी कारों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। ओयल कंपनियों भी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव का संकेत दे रही हैं। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, पिछले कुछ महीनों से 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी 1 जनवरी 2025 से एनबीएफसी और एचएफसी के फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़ी नीतियों में बदलाव किया है, जो डिपॉजिट तक लेने, लिक्विड असेट्स रखने और डिपॉजिट का इंश्योरेंस में संबंधित है। इन सभी बदलावों के साथ, स्वागत करें साल 2025 का, जो एक नया अध्याय आरंभ करने का वक्त है। यह नियमों में बदलाव लेकर आता है और हमें एक नया स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान कर सकता है।

स्मार्टफोन की मांग से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 28 फीसदी की वृद्धि

- निर्यात अप्रैल-नवंबर 25 में 22.5 बिलियन डॉलर तक बढ़ा

मुंबई । भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात वित्त वर्ष 25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में 22.5 बिलियन तक पहुंच गया है, जो इसके पहले वित्त वर्ष 24 में इसी अवधि के 17.66 बिलियन डॉलर के मुकाबले लगभग 28 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी इलेक्ट्रॉनिक्स को भारत के शीर्ष दस निर्यात क्षेत्रों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेक्टर बना रही है। इसने छठे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है, केवल इंजीनियरिंग उत्पादों और पेट्रोलियम के बाद। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना को जाता है। स्मार्टफोन निर्यात 13.11 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 24 के 9.07 बिलियन डॉलर के मुकाबले 45 फीसदी की वृद्धि है। स्मार्टफोन अब कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 58 फीसदी हिस्सा रखते हैं, और यह हिस्सा वित्तीय 25 के आखिर तक 60-65 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात अब पेट्रोलियम निर्यात के आधे तक पहुंच रहा है, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी बाजार में स्मार्टफोन निर्यात ने अब हीरा निर्यात को भी पीछे छोड़ दिया है। सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निर्यात आधारित विकास मॉडल को मजबूत करने के लिए टैरिफ संरचना की समीक्षा कर रही है।

देश के सात प्रमुख शहरों में 2024 में आवास बिक्री में गिरावट का अनुमान: रिपोर्ट

– इस साल बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 5.68 लाख करोड़ पहुंच सकती है

नई दिल्ली ।

भारत में इस वर्ष देश के सात प्रमुख शहरों में आवास की बिक्री में चार प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया गया है, जिससे करीब 4.6 लाख इकाई अवैतनिक रहेंगी। इसके विपरीत आवास की मूल्यांकन से पाया गया है कि इस साल बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर करीब 5.68 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकती है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी ने बताया कि कुछ कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के कारण, इस वर्ष सात प्रमुख शहरों में औसत आवास की कीमतों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में आंकड़े जारी किए हैं, जिसके अनुसार 2024 में बिक्री में मामूली चार प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,59,650 इकाई रहेंगी, जबकि 2023 में यह संख्या 4,76,530 थी। रियल स्टेट सलाहकार कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नई आवासीय संपत्तियों की आपूर्ति में सात प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

उन्होंने कहा कि भारतीय आवास क्षेत्र के लिए 2024 मिलाजुला है। आम और विधानसभा चुनावों के नकारात्मक प्रभाव के अलावा, परियोजना अनुमोदन में भी कमी आई जिससे नए आवासों की आपूर्ति पर असर पड़ा है। इसके बावजूद आवास की कीमतों में वृद्धि दिखाई दी गई है जिससे बिक्री में वृद्धि हुई है।

होंडा की एसपी125 बाइक का मॉडल लॉन्च, आधुनिक फीचर्स के साथ आकर्षक डिजाइन भी

नई दिल्ली।

होंडा बाइक एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी प्रीमियम 125सीसी कम्यूटर बाइक, होंडा एसपी125 का मॉडल लॉन्च किया है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 91,771 एक्स-शोरूम दिल्ली है। बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं।

नई होंडा एसपी125 को आकर्षक डिजाइन और उन्नत हार्डवेयर के साथ पेश किया गया है। एलईडी हेडलैंप और टेललैंप के साथ शार्प फ्रंट और टेल सेक्शन। आक्रामक टैंक श्राउड, क्रोम मफलर कवर, और स्टाइलिश ग्राफिक्स। 18 इंच के अलॉय व्हील्स। फ्रंट में 80/100 सेक्शन और रियर में 100/80 सेक्शन के टायर लगाए गए हैं। ड्रम ब्रेक वैरिएंट की कीमत 91,771 और डिस्क ब्रेक वैरिएंट 1,00,284 सभी कीमतें एक्स-शोरूम दिल्ली है। होंडा एसपी125 का इंजन अब ओबीडी2बी एमिशन नॉर्म्स के अनुसार अपडेट किया गया है।

इसमें 123.94सीसी सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन, 10.7बीएचपी पावर और 10.9एनएम टॉर्क। 5-स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स दिया गया है ई-20 पेट्रोल (20 इथेनॉल मिक्स) पर चलने की क्षमता, सस्पेंशन और ब्रेकिंग फ्रंट में डुअल टेलिस्कोपिक फोर्क, रियर हाइड्रोलिक टाइप सस्पेंशन। ब्रेकिंग 240एमएम डिस्क या 130एमएम ड्रम विकल्प। ब्लूटूथ और ओबीडी2बी तकनीक बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक कंट्रोल शामिल हैं। ओबीडी2बी सिस्टम सिस्टम गाड़ी की परफॉर्मेंस और एमिशन पर नजर रखता है, जिससे यह नई सरकारी नॉर्म्स का पालन करती है।

125सीसी सेगमेंट में होंडा एसपी125 का मुकाबला हीरो ग्लेमर, हीरो सुपर स्प्लेंडर, होंडा शाइन, और टीवीएस राइडर जैसी बाइक्स से होगा। होंडा एसपी125 का यह अपडेटेड मॉडल एडवांस टेक्नोलॉजी और आकर्षक डिजाइन के कारण कम्यूटर बाइक सेगमेंट में ग्राहकों को जरूर लुभाएगा।

देश का सबसे मशहूर बिस्कुट पारले-जी में आखिरकार जी का क्या मतलब होता है?

मुंबई ।

पारले-जी के नाम से हर देशवासी परिचित है। अगर बात बिस्कुट चलती है, तब फिर सभी की जुबां पर सबसे पहले जो नाम आता है और वहां पारले-जी ही है। इस बिस्कुट का इतिहास आजादी के पहले का है और ये आज भी जोरदार मुनाफा कमा रही है।

वित्तीय साल 2024 में इसका मुनाफा बढ़कर डबल 1,606.95 करोड़ रुपये हो गया है। अगर आप भी ये बिस्किट खाते हैं, तब इसके कवर पर लिखे नाम को देखकर कभी न कभी ये सवाल जरूर उठा होगा, कि आखिर पारले-जी में जी का क्या मतलब होता है? हम सबसे पहले बात कर लेते हैं वित्तीय साल 2024 में इसका मुनाफा दोगुना होकर 1,606.95 करोड़ रुपये रहा है, जो कि वित्तीय साल 23 में 743.66 करोड़ रुपये रहा था। इसके बीते वित्त वर्ष में पारले बिस्कुल की ऑपरेशनल इनकम दो फीसदी के इजाफे के साथ बढ़कर 14,349.4 करोड़ रुपये हो गई है।

समय बदला, लेकिन स्वाद-डिमांड नहीं

पारले-जी बिस्किट का स्वाद आज भी लोगों की जुबां पर बरकार है। जब भी पारले-जी बिस्किट का जिक्र होता है, तब उम्रदराज लोग भी अपने बचपन में लौट जाते हैं।

समय के साथ पारले-जी बिस्किट के साइज में कई बदलाव हुए हैं, लेकिन इसका स्वाद और मार्केट में इसकी डिमांग नहीं बदली और कंपनी के मुनाफे के आंकड़े इसका उदाहरण हैं। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय और ब्रिटिश दोनों ही सैनिकों का यह सबसे पंसदीदा बिस्कुट हुआ करता था।

पारले की शुरुआत देश को आजादी मिलने से पहले साल 1929 में हुई थी। 90 के दशक के बच्चों को अपना वहां दौर भी याद होगा, जब चाय के साथ पारले-जी सबसे ज्यादा फेमस हुआ करता था। रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि कंपनी ने पारले नाम मुंबई के विले-पार्ले इलाके से लिया है। पारले ने पहली बार 1938 में पारले-ग्लूको नाम से बिस्कुट का प्रोडक्शन शुरू किया था। आजादी से पहले पारले-जी का नाम ग्लूको बिस्किट होता था। लेकिन, आजादी के बाद ग्लूको बिस्किट का प्रोडक्शन बंद कर दिया गया था। देश में उस समय अन्न संकट इसकी बड़ी वजह थी, क्योंकि इस बिस्कुट को बनाने के लिए गेंहू का इस्तेमाल होता था।

जियो ने 5जी वाउचर प्लान लॉन्च किया

- सिर्फ 601 रुपए में मिलेगा सालभर का फायदा

नई दिल्ली ।

जियो रीचार्ज प्लान साल 2024 में समाप्त होने के बाद नए साल 2025 का आगमन किया जा रहा है। इस अवसर पर टेलीकॉम कंपनी ने अपने ग्राहकों को नए और बेहतर रिचार्ज प्लानों की पेशकश की है। इस पूर्वानुमान के अनुसार जियो ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए नया 5जी वौचर प्लान लॉन्च किया है। इस पैक में ग्राहकों को 12 महीने तक अनलिमिटेड डेटा के साथ कॉल और एसएमएस की सुविधा दी जा रही है। भारी उपयोगकर्ताओं के लिए यह एक अच्छा अनुरोध हो सकता है। इस 5जी वौचर प्लान की कीमत 601 रुपये है और यह माये जियो ऐप के माध्यम से उपलब्ध है। यह प्लान 199 रुपये से शुरू हो कर 899 रुपये तक के अन्य रिचार्ज प्लान के साथ लेकर जाया जा सकता है। जियो के इस नए वौचर प्लान का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ग्राहकों को साल भर के रिचार्ज से छुटकारा मिलेगा। इस तरह से यह प्लान उन उपयोगकर्ताओं के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो अपने एक्टिव प्लान के साथ अतिरिक्त वौचर की तलाश में हैं। यह 5जी वौचर 12 महीने के लिए वैध है मानते हुए, इसे बाजार में उतारा गया है। जियो के प्रयासों से ग्राहकों को नए वौचर प्लान की विविधता और सुविधाएं आवश्यक सुविधाएं प्राप्त करने का एक बेहतर तरीका मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया की बॉक्सिंग डे टेस्ट में ठोस शुरुआत , 311/6

-कॉन्स्टास ने डेब्यू टेस्ट में ही अर्धशतक लगाया

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ गुरुवार से यहां बाक्सिंग डे पर शुरु हुए बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत की है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 311 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय स्टीव स्मिथ 68 रन जबकि पैट कमिंस 8 रनों पर खेल रहे थे। पहले दिन चार शुरुआती बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाये। पारी की शुरुआत करते हुए डेब्यू करने वाले बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास ने आक्रामक अंदाज में खेलकर सभी को प्रभावित किया। कॉन्स्टास ने 60 रनों की पारी खेली। वहीं उस्मान ख्वाजा ने भी 57 रन बनाये जबकि मार्नस लाबुशाने ने सबसे अधिक 72 रन बनाये। वहीं इस बार ट्रेविस हेड को भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में ही पेवेलियन भेजकर एक बड़ी सफलता हासिल की। हेड ने इस सीरीज में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। मैच में ख्वाजा और कॉन्स्टास की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी बनायी। रवींद्र जडेजा ने कॉन्स्टास को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्स्टास ने 65 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए अपने पदार्पण टेस्ट में अपना पहला अर्धशतक लगाने की उपलब्धि हासिल की। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्नसन लाबुशेन ने ख्वाजा के साथ पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट लिए 65 रन बनाये। 45वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को राहुल के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। ख्वाजा ने 121 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 57 रन बनाए। इसके बाद मार्नसन लाबुशेन ने 145 गेंदों पर 72 रन बना दिये। वह सुंदर की गेंद पर कोहली के हाथों कैच हुए। हेड आज क्रीज पर पैर जमाने से पहली ही 7 गेंदों पर बिना खाता खोले ही बुमराह के हाथों आउट हो गये। वहीं मिचेल मार्श 4 रन बनाकर बुमराह का पेवेलियन लौटे। एलेक्स केरी 31 रन बनाकर आकाशदीप का शिकार बने।

मुझे किसी से नाराजगी नहीं : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि वह अपने संन्यास को लेकर न किसी से नाराज हैं और न ही उनके मन में किसी प्रकार का पछतावा है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी। माना जा रहा है कि अपनी अनदेखी से वह नाराज थे। अश्विन को पर्थ में पहले टेस्ट में बाहर रखा गया था, जहां वाशिंगटन सुंदर को एकमात्र स्पिनर के रूप में प्राथमिकता दी गई थी। अश्विन ने एडिलेड में गुलाबी गेंद का टेस्ट खेला था लेकिन तीसरे टेस्ट में जब उन्हें जगह नहीं मिली तो उनका सब्र टूट गया।

अश्विन ने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और उन्होंने अपने फैसले के लिए किसी को दोषी ठहराने से भी मना कर दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम इंडिया के लिए खेलना बंद करने के बाद वह रोए नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है। शून्य पछतावा। अगर मैं अपने करियर में हासिल 537 विकेट से खुश नहीं हूं तो फिर किस बात से खुश होऊंगा? ऐसी चीज है ही नहीं, जिसके लिए मैं दुखी होऊं? स्वीकृति में बड़ा आनंद है। आप उस चीज का पीछा करते हैं जो आपके पास नहीं है। लेकिन उस चीज के लिए पछतावा मत करो जो तुम्हारे पास नहीं है। इसके बारे में शिकायत मत करो। मैंने अपने जीवन के इस हिस्से को छोड़ दिया। यह मेरे जीवन के उस हिस्से पर पूर्ण विराम था। अब मैं क्रिकेट पर बात कर सकता हूं, मुझे कोचिंग पसंद है। मैं खुद को क्रिकेट के आसपास खुश रख सकता हूं। मैं क्रिकेट से जुड़ा रहूंगा। मैं मुझे कोई पछतावा नहीं है, मैं किसी पर गुस्सा नहीं हूं। मैं थोड़ा भी नहीं रोया। मेरे संन्यास के लिए कोई और जिम्मेदार है।

चैम्पियंस ट्रॉफी : फखर ने बताया भारत, पाक सहित ये चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा।

रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे। इंग्लैंड एकमात्र भाग लेने वाला देश है जिसने इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। ग्रुप ए के शुरुआती मैच में पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। अगले दिन दुबई चरण की शुरुआत भारत और बांग्लादेश के बीच होगी।

भारतीय महिला टीम की नजरें वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ करने पर

वडोदरा (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी एक दिवसीय मैच में शुक्रवार को 'क्लीन स्वीप' के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे हारने के बाद भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत की राह पर वापसी की है।

भारतीय टीम ने श्रृंखला में 300 से अधिक के स्कोर बनाए हैं। पहले मैच में स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने वाली पत्रिका रावल ने दूसरे वनडे में बेहतर प्रदर्शन करके उम्मीद जगाई है। हरलीन देयोल ने दूसरे मैच में तीसरे नंबर पर उतरकर शतक जड़ा और वह इस लय को कायम रखना चाहेंगी। पूरी तरह से फिट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर भी आत्मविश्वास से भरी लग रही हैं लेकिन अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं।

गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर ने तेज गेंदबाजी में अगुवाई की है जबकि युवा टिटास साधू को भी विकेट मिले हैं। लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा ने भी प्रभावित किया है। यह मुकाबला चूंकि औपचारिकता का है लिहाजा भारतीय टीम में तनुजा कंवर और तेजल हसब्निस को उतारा जा सकता है। वेस्टइंडीज टीम को जीत के साथ स्वदेश लौटने के लिए अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। उसके लिए सिर्फ हेली मैथ्यूज ही प्रभावित कर सकी हैं।

टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधु, साइमा ठाकुर, रेणुका सिंह ठाकुर।

वेस्टइंडीज : हेली मैथ्यूज (कप्तान), शेमाइन कैंपबेल (उप-कप्तान), आलिया एलेने, शमिलिया कॉनेल, नेरिसा क्राफ्टन, डींड्रा डोटिन, अफी फ्लेचर, शब्निका गजनबी, चिनेले हेनरी, ज़ैदा जेम्स, कियाना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसर, करिश्मा रामहरैक , राशदा विलियम्स। न स्वीप% के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे हारने के बाद भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत की राह पर वापसी की है।

बुमराह के सामने फिर बेबस नजर आये ख्वाजा

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सामने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा टिक नहीं पा रहे। बुमराह ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में एक बार फिर ख्वाजा को अपना शिकार बनाया है। बुमराह ने पांचवी बार ख्वाजा को आउट किया है। ख्वाजा ने 57 रन बनाये। अब तक इस सीरीज की 7 पारियों में ख्वाजा ने बुमराह की 87 गेंद खेली हैं, जिसमें उन्होंने सिर्फ 24 रन बनाए और 5 बार आउट हुए हैं। इससे पता चलता है कि ख्वाजा इस भारतीय गेंदबाज के सामने किसे असहज हैं। वह बुमराह की गेंदों को अब तक समझ नहीं पाये हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक 3 टेस्ट खेले गये हैं और सीरीज 1-1 की बराबरी पर चल रही है। पर्थ में भारत ने बाजी मारी, एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट मैत जीता जबकि ब्रिस्बेन में खेला गया मैच ड्रॉ रहा।

बाबर आजम ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, कोहली-रोहित के बाद ये रिकॉर्ड बनाने वाले तीसरे प्लेयर बने

सेंचुरियन (दक्षिण अफ्रीका)। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम ने सेंचुरियन में इतिहास रच दिया और खेल के तीनों प्रारूपों में 4,000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन बाबर इंग्लैंड सीरीज के दौरान बाहर किए जाने के बाद टेस्ट टीम में वापस आ गए। बाबर की वापसी कड़वी-मीठी रही। एक तरफ उन्होंने क्रिकेट के इतिहास में अपनी जगह पक्की कर ली, लेकिन दूसरी तरफ वे पाकिस्तान की पारी में महत्वपूर्ण योगदान देने में विफल रहे। अपनी क्षमता के बावजूद बाबर ने दूसरी स्लिप में एडेन मार्करम को गेंद थमा दी और 4 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी भले ही उम्मीदों से कम रही, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। बाबर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 4,000 रन बनाने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए। यह उपलब्धि पहले भारतीय दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने हासिल की थी। बाबर के टेस्ट करियर की संख्या अब 56 मैचों में 4,001 रन हो गई है, जिसमें उनका औसत 43.49 है, जिसमें 9 शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं। वनडे में 30 वर्षीय ने 123 मैचों में 5,957 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 34 अर्द्धशतक के साथ 56.73 का औसत है। टी20आई में उन्होंने 128 मैचों में 39.84 की औसत से 4,223 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और 36 अर्द्धशतक शामिल हैं।

पहली बार एचआईएल टूर्नामेंट खेलने को लेकर उत्साहित हैं अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड अभिषेक नैन का कहना है कि उनका लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को वापस लाना है। अभिषेक का कहना है कि हमने ओलंपिक में पदक जीतने की प्रक्रिया शुरू कर दी है पर स्वर्ण युग अभी हासिल नहीं हुआ है जिसके लिए हमें अभी और प्रयास करने हैं। वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी शामिल थे।

अभिषेक हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा था। वह पहली बार एचआईएल टूर्नामेंट खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'यह अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग अनुभव होगा। एचआईएल भारतीय हॉकी के लिए भी एक बड़ी बात होने जा रही है क्योंकि हमें लीग में बहुत सारे विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार एचआईएल से राष्ट्रीय टीम को लाभ ही मिलेगा, उसे बेहतर खिलाड़ी मिलेंगे।

उन्होंने कहा, 'हमारी एचआईएल टीम में बेल्जियम और जर्मनी के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। एचआईएल के दौरान उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और खेल से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना बहुत अहम होगा। हम उनसे छोटी-छोटी बातें सीखेंगे। अभिषेक लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी है पर उन्होंने कहा कि वह दबाव लेने की जगह इसका आनंद उठायेंगे। उन्होंने कहा, 'जिम्मेदारी तो होगी लेकिन मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता। मैं अपना खेल खेलूंगा। अगर मैं दबाव लूंगा तो अपना सौ फीसदी नहीं दे पाऊंगा। मैं बस अपने खेल का आनंद उठाने की कोशिश करूंगा। अधिषेक ने कहा कि पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान सहित वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में बाबर पर रहेंगी नजरें

सेंचुरियन। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए पाक टीम में शामिल किया गया है, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी पर सबकी नजरें रहेंगी। बाबर पिछले काफी समय से फार्म में नहीं हैं। उन्होंने इससे पहले अंतिम बार अक्टूबर में में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में खेला था। उसके बाद से ही वह टेस्ट प्रारुप से बाहर रहे हैं। बाबर ने दिसंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी 161 रन की पारी के बाद से एक भी अर्धशतक नहीं लगाया था। इसी कारण उनकी जगह दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक को टीम में जगह मिली पर शफीक भी रन बनाने में विफल रहे। वहीं टीम कप्तानी शान मसूद के पास ही रहेगी। विकेटकीपर के तौर पर मोहम्मद रिजवान को रखा गया है। पीसीबी ने सैम अयूब को भी टीम में शामिल किया है। पाकिस्तान ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में 4 तेज गेंदबाजों नसीम शाह, मुहम्मद अब्बास, खुर्रम शहजाद और आमेर जमाल भी शामिल किया है। इसके अलावा एक स्पिन ऑलराउंडर सलमान अली आगा भी टीम में शामिल हैं। इसके अलावा बाएं हाथ के बल्लेबाज सऊद शकील और दाएं हाथ के बल्लेबाज कामरान गुलाम को भी टीम में जगह मिली है। वहीं मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही अपनी टीम घोषित कर दी थी।

कोहली पर आईसीसी ने जुर्माना लगाया, कोंस्टास ने लगाया था धक्का मारने का आरोप

मेलबर्न (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। विराट पर ये जुर्माना ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज सैम कोंस्टास को कंधे से धक्का मारने का दोषी पाये जाने पर लगाया है। मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन विराट पर ऑस्ट्रेलिया के 19 साल के युवा कोंस्टास ने कंधे से धक्का मारने का आरोप लगाया था। इसी मामले को लेकर डेब्यू करने वाले इस बल्लेबाज ने नाराजगी भी जतायी थी। आईसीसी ने मामले की समीक्षा के बाद विराट को दोषी पाते हुए जुर्माने के साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 10वें ओवर के बाद हुई जब कोहली और कोंस्टास एक दूसरे के पास से गुजरते हुए कंधे टकरा गए। ऐसा लग रहा था कि कोहली जानबूझकर कोंस्टास से टकरा गए थे। तब कोंस्टास आक्रामक अंदाज से खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 10वें और 11वें ओवर के बीच ब्रेक के दौरान कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा छोर बदल रहे थे, तभी कोहली युवा बल्लेबाज की ओर बढ़े और उनसे टकरा गए। उस समय कमेंट्री कर रहे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी कहा कि कोहली ने जानबूझकर ऐसा किया था। रिप्ले से पता चला कि कोहली को अपनी गति के बारे में पूरी जानकारी थी, जबकि कोंस्टास अपना सिर नीचे करके अपने दस्ताने ठीक कर रहे थे, और अनजाने में ही विराट से टकरा गये। जुर्माने से पहले आईसीसी की ओर से विराट कोअनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी दी गई थी।

कोंस्टास ने सहवाग की तरह बल्लेबाजी की : लैंगर

मेलबर्न । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज जस्टिन लैंगर ने अपने पदार्पण मैच में ही अर्धशतक लगाने वाले 19 साल के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास की जमकर प्रशंसा की है। लैंगर ने कहा कि जिस प्रकार से अपने पहले ही मैच में कोंस्टास ने आक्रामक अंदाज में खेला उससे पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग की याद आ गयी। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सहवाग अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। सहवाग को उन बल्लेबाजों में से एक माना जाता है जिन्होंने अपने आक्रामक अंदाज से टेस्ट क्रिकेट को बदल दिया। लैंगर का मानना ??है कि कोंस्टास में भी उसी तरह का आत्मविश्वास नजर आया है। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 60 रन बनाकर अपने चयन को सही साबित किया है। कोंस्टास ने अनुभवी उस्मान ख्वाजा 38 के साथ 89 रनों की शुरुआती साझेदारी की। लैंगर ने कहा, कोंस्टास मैच को लेकर किसी प्रकार के दवाब में नहीं थे। उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखना अविश्वसनीय था। उन्होंने मुझे 2003 के सहवाग की याद दिला दी, जब उन्होंने पहले दिन 233 गेंदों पर 195 रन बनाए थे। कोंस्टास ने अनुभवी गेंदबाजों का सामना करने की अपनी क्षमता का भी प्रदर्शन किया, मोहम्मद सिराज की गेंदों पर चौके लगाए और भारतीय आक्रमण को अस्थिर कर दिया। उनकी पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल थे। लैंगर ने कहा कि कोंस्टास के आक्रामक रवैये ने उस्मान ख्वाजा पर दबाव कम किया, जो पूरी सीरीज से लया हासिल करने का प्रयास कर रहे थे। लेंगर ने कहा, हम यह भी देखते हैं कि कोंस्टास ने जिस तरह से डेब्यू किया है, उसने उस्मान ख्वाजा को दबाव मुक्त कर दिया है। वह सहज दिख रहा है, वह डेविड वार्नर के साथ बल्लेबाजी करने का आदी था, जो आक्रामक दृष्टिकोण के साथ खेलते थे। अब, वह एक ऐसे साथी के साथ खेल रहा है, जो उसी प्रकार का रवैया रख रहा है।

यशस्वी बनाएंगे कई रिकार्ड : मैक्सवेल

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपने टेस्ट करियर में 40 से अधिक शतक लगाने के साथ ही कई रिकॉर्ड बनाएंगे। मैक्सवेल के अनुसार हालातों के अनसार ढ़लने और बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं होने का लाभ यशस्वी को मिलेगा। यशस्वी ने इस साल के शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की थी। मैक्सवेल ने कहा, ' जायसवाल एक ऐसा खिलाड़ी है जो संभवत- 40 से अधिक टेस्ट शतक लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड भी बनाएगा। उसके पास अलग-अलग हालातों से तालमेल बिठाने की जबरदस्त क्षमता है। इस युवा बल्लेबाज ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं।

शुभमन गिल को बाहर करने पर बोले अभिषेक नायर, रोहित को पारी का आगाज कराने की जरूरत थी

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने शुभमन गिल को 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट से बाहर करने का बचाव करते हुए कहा कि रोहित शर्मा से पारी का आगाज कराना ही टीम के हित में नहीं था बल्कि स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को शामिल करके आक्रमण को पैना करना भी था। गिल उंगली की चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाये थे, उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में 31 और 28 रन बनाए। वह भारतीय बल्लेबाजों में सबसे भरोसेमंद दिखे, लेकिन ब्रिस्बेन में शून्य पर आउट हो गए।

रोहित शर्मा के पारी की शुरुआत करने और केएल राहुल के तीसरे नंबर पर आने के कारण गिल को तीसरे विशेषज्ञ ऑलराउंडर वाशिंगटन के लिए जगह बनानी पड़ी। दिन का खेल खत्म होने के बाद नायर ने कहा, 'हां, रोहित बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आएंगे और पूरी संभावना है कि वह पारी की शुरुआत करेंगे। यही योजना थी। दुर्भाग्य से गिल को बाहर होना पड़ा जिस तरह से चीजें आगे बढ़ीं उन्हें बाहर होना पड़ा।'

मुंबई के पूर्व दिग्गज ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की स्थिति में एक युवा खिलाड़ी बड़े दिन पर अपनी छाप छोड़ना चाहता है। वह समझता है कि यह टीम की जरूरत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि उसे टीम से बाहर कर दिया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह इस मैच टीम में जगह नहीं बना सका।'

उन्होंने विस्तार से बताया कि गिल की तुलना में एमसीजी में वाशिंगटन को खिलाना क्यों उचित था। उन्होंने कहा, 'जब बहुत सारे फैसले लिए जाते हैं और उन्हें लेने की प्रक्रिया होती है तो हमेशा बातचीत और पारदर्शिता होती है। यह बहुत स्पष्ट है कि हमने पिच को देखते हुए महसूस किया कि गेंदबाजी आक्रमण में वाशी के होने से हमें विविधता मिलेगी, खासकर अंत में जब गेंद पुरानी हो जाती है।'

नायर ने कहा, '50 ओवर के बाद हमें लगा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हमें बेहतर होना चाहिए। हमें लगा कि वाशी हमें जड्डू (रविंद्र जडेजा) के साथ मजबूती प्रदान कर सकता है, विशेषकर जिस तरह से ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी निचले क्रम में रन बना रहे थे। इसलिए हमें लगा कि टीम में एक ऑफ स्पिनर होने से हमें इसमें मदद मिलेगी।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति के साथ कई तरह से स्वास्थ्य लाभ

चाहे मौसम कोई भी हो प्रकृति के पास हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के अनगिनत स्रेत हैं। इसलिए चाहे कड़ाके के ठंड ही क्यों न पड़ रही हो अच्छी तरह गर्म कपड़े पहनें और निकल पड़ें प्रकृति की गोद में क्योंकि इस मौसम में बाहर निकलने से आपके स्वास्थ्य को जो फायदे मिलेंगे वे घर के अंदर रजाई में बैठकर नहीं मिल सकते

बेहतर होता है मूड

मायो क्लीनिक के अनुसार यह बात तो सभी जानते हैं कि सर्दियों में हम उदासीन हो जाते हैं मूड अच्छा नहीं रहता। इस मौसम में दस से बीस प्रतिशत लोगों में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी यानी सैड) डिप्रेशन का कारण बनता है। इसके लक्षणों में एंजाइटी, थकान, नींद और उदासीनता शामिल है। शोधकर्ता मानते हैं कि सैड सर्दियों के छोटे दिनों का परिणाम है और इस दौरान प्राकृतिक रोशनी भी बहुत कम मिलती है। यहां तक कि नियमित व्यायाम करने वालों को भी सर्दियां घरों में बंद कर देती हैं जिससे उनका धूप में निकलना कम हो जाता है। इसलिए सैड का जल्द और तुरंत इलाज ज्यादा से ज्यादा बाहर निकलना है। चाहे बाहर खूब ठंड हो रही हो।

ज्यादा बाहर यानी ज्यादा विटामिन डी

सैड के लक्षणों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा वक्त जब हम बाहर गुजारते हैं तब धूप हमारे शरीर को आवश्यक किरणों को सोखने का मौका देती है। विटामिन डी हार्ट अटैक से बचाव करता है साथ ही ऑस्टीयोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर जैसी स्थिति में फायदा पहुंचाता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थो के जरिये भी विटामिन डी लिया जा सकता है जैसे मछली, अंडा और चीज आदि। लेकिन 80 से 90 प्रतिशत तक हम इसे सूरज से ही पा सकते हैं।

एक्सरसाइज रुटीन को करता है रिचार्ज

जब सर्द हवाएं चल रही हों या फिर घना कोहरा छाया हो ऐसे में बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बाहर निकल कर दौड़ना अच्छा वर्कआउट माना जाता है, आप चाहें तो साइकिलिंग करके ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकती हैं या फिर किसी तरह की फिजिकल एक्टविटी करके एक्सरसाइज का फायदा उठा सकती हैं। ऐसा मानना है न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे एक शोध का। इसका मतलब यह है कि धुंध भरी सुबह अपने आलस्य को छोड़कर बाहर एक्सरसाइज करने के लिए निकल पड़िये। यह आपको पूरे दिन तरोताजा रखेगी। सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने निकलने का एक फायदा यह भी है कि आपको सड़कें खाली मिलेंगी, कोहरे में टहलते हुए आप पेड़ों से गिरती हुई ओस की बूंदे देखकर प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठा सकती हैं।

कई बीमारियों में कारगर प्राकृतिक प्रकाश

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार प्राकृतिक रोशनी यानी सूरज की किरणों में आरोग्यात्मक गुण पाये जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में धूप में बैठने के बाद दर्द और तनाव का स्तर कम पाया गया। दरअसल जो रोगी 46 प्रतिशत धूप में ज्यादा बैठे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान 22 प्रतिशत दर्द का कम अहसास हुआ। एजिंग हेल्थ ऑफ जर्नल में छपे एक और अध्ययन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा बाहर टहलने निकलना और ज्यादा जरूरी हो जाता है। एक 70 वर्षीय व्यक्ति जो प्रतिदिन बाहर समय व्यतीत करता है उसे शरीर में दर्द का अहसास कम होता है साथ ही नींद की समस्या भी नहीं रहती। उनकी दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों में भी बहुत कम गिरावट देखी गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रकृति में ज्यादा वक्त गुजारने से आप वृद्धावस्था में भी स्वस्थ रह सकती हैं।

टहलने से बढ़ेगी एकाग्रता और रचनात्मकता

अध्ययन बताते हैं कि जब आप बाहर टहलने निकलते हैं तब हमारे मस्तिष्क की कार्यपणाली और मेंटल फोकस में इजाफा हो ता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार टहलने से न केवल फिजिकल एक्टीविटी बढ़ती है बल्कि दिमाग में नये-नये विचारों का आवागमन भी होता है। उटाह यूनिवर्सिटी द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन में पाया कि एक क्रिएटिव टेस्ट में जगह-जगह यात्रा करने वाले पार्टिसिपेंट्स ने बिना किसी गैजेट की सहायता के पचास प्रतिशत ज्यादा अंक प्राप्त किये। शोधकर्ताओं का मानना है कि खुद को चौबीसों घंटे कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स से चिपकाये रखने की आदत के फलस्वरूप लोग टहलना भूल रहे हैं। बाहर ज्यादा समय गुजारने से फोकस भी बढ़ता है। शहरों में रहने वाले बच्चे जो घर के आसपास ही खेलते हैं, की तुलना में पाकरे में धमा चौकड़ी बचाने वाले बच्चों का फोकस बेहतर होता है।

अनोखा एनर्जी बूस्टर है मीठा और ताजा खजूर

मीठे, ताजे और नरम डेट्स यानी खजूर देखने में आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। बच्चे हों या बड़े हर किसी के लिए यह पोषक तत्वों, मिनरल्स और विटामिन्स से भरा फल है। सामान्य ग्रोथ, विकास और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए जिन चीजों की जरूरत पड़ती है, वह सब इस फल में मौजूद हैं। ताजे खजूर नरम होते हैं और आसानी से पच जाते हैं। इसमें साधारण शुगर जैसे फ्रूकटोज और डेस्ट्रोज मौजूद होते हैं। इसे खाते ही पूरे शरीर में फुर्ती और ताकत का संचार होता है और व्यक्ति अपने आप को ऊर्जावान पाता है।

खजूर में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। ये कोलेस्ट्रोल को कम करते हैं। खजूर में मौजूद फाइबर कोलोन कैंसर से भी बचाव करते हैं। खजूर में टेनिन हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटी इफेक्टिव, एंटी इनफ्लेमटरी और एंटी हिमोरेजिक गुण होते हैं, जो शरीर से आसानी से खून बहने नहीं देता।

खजूर कब्ज से परेशान लोगों के लिए रामबाण है। इसे लैक्जेटिव फूड भी कहा जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में घुलने वाले फाइबर पाए जाते हैं। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाने से कब्ज में जल्द फायदा मिलता है।

हड्डियों की मजबूती और ताकत के लिए खजूर को सुपर फूड भी माना जाता है। यह आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है। इसमें मौजूद सेलेनियम, मैग्नीज, कॉपर और मैग्नेशियम बढ़ती उम्र में भी हड्डियों की मजबूत रखते हैं।

खजूर में मौजूद निकोटिन आंत संबंधी कई बीमारियों से बचाता है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है। खजूर में प्रचुर मात्रा में मिनरल पाए जाते हैं, जो किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के दौरान शरीर में आयरन की कमी नहीं होने देता। एनिमिया के मरीज इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ा कर थकान, आलस और कमजोरी दूर करता है। मौसमी एलर्जी से भी यह बचाता है।

खजूर में शुगर, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिंस मौजूद होते हैं, जो हेल्दी डाइट का काम करते हैं। अगर अपने मसल्स बनाना चाहते हैं और साथ ही थोड़ा वेट भी चाहते हैं, तो खजूर एक बेहतर विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे पूरा दिन इसे न खाएं वरना आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। खजूर एनर्जी बूस्टर का भी काम करता है।

उम्र बढ़ने के साथ नर्वस सिस्टम भी कमजोर होता जाता है। ऐसे में खजूर में मौजूद विटामिंस इसे सही रखने में मदद करता है और दिमाग तेज बनाता है। इसमें मौजूद पोटेशियम न सिर्फ आपका दिमाग बल्कि दिल को भी दुरुस्त रखता है। कमजोर दिल के मरीज इसका सेवन कर अपने हार्ट को हेल्दी बना सकते हैं। रात भर भिगो कर सुबह अगर इसे खाया जाए तो मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा खजूर, कान, नाक और गले की बीमारियों में भी लाभदायक है। इसके पत्ते को पीस कर आंखों के आसपास लगाने से रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) जैसी समस्या कम होती जाती है। पके हुए खजूर में मौजूद पोटेशियम क्रोनिक डायरिया में भी आराम पहुंचाते हैं। यह मानव शरीर के लिए अचूक दवा है। इसका नियमित सेवन एबडामिनल कैंसर जैसी बीमारी से बचाता है।

खजूर हर उम्र के लोगों के लिए टॉनिक को तरह काम करता है। इसलिए सर्दी हो या गर्मी इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करें। मगर ध्यान रहे, खाने से पहले इसकी क्वालिटी जरूर जांच लें और साथ ही इसे अच्छी तरह धो लें।

अखरोट खाएं और दूर भगाएं कई रोग

नट्स हमेशा सेहत के लिए फायदेमंद रहे हैं। बात अगर अखरोट की करें, तो यह एनर्जी का बेहतर स्रोत होने के साथ इसमें शरीर के लिए बेहतर पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। हर मौसम में अखरोट मिल जाते हैं। मगर यह अगस्त में बिल्कुल तैयार हो जाता है। अखरोट का तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट में मोनोसेचुरेटेड फैट जैसे ओलिस एसिड प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बैड कोलेस्ट्राल को कम कर गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है।

हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसद ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजिज और स्ट्रोक के रिस्क कम होते हैं। इसका सेवन ब्रेस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। यह यौगिक कैंसर, बुढ़ापा, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

विटामिन-ई शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है और अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक आक्सीजन से सुरक्षा देता है। सौ ग्राम अखरोट में लगभग 21 ग्राम विटामिन-ई की मात्रा पाई जाती है। विटामिन के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लेक्स समूह के शइबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड और विटामिन बी 6 और फोलेट्स।

कमर दर्द का कारगर समाधान

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगीभर पाई गई है। इसका मतलब है कि मजबूत रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है, इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते

डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी

विशेषज्ञों का मानना है कि डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहना और झुककर काम करते रहने से युवाओं में पीठ संबंधी समस्याएं हो रही है। ऐसी दर्दनाक स्थितियों से छुटकारा पाने के लिए डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी सबसे आसान समाधान उभरकर सामने आया है। एक हालिया शोध के अनुसार दुनियाभर में अन्य किसी बीमारी के मुकाबले विकलांगता होने की सबसे बड़ी वजह पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना है। इसका सबसे मुख्य कारण लगातार बैठे रहना और गलत मुद्रा में खड़े व बैठना है। जीवनशैली में व्यस्तता और लगातार काम करने की डिमांड के चलते प्रोफेशनल्स को इस तरह की समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो गया है। अब 35 साल के रजत मित्तल का ही उदाहरण लें। सारा दिन ऑफिस में डेस्क जॉब करना और कई बार तो घर आकर भी ऑफिस के ही काम में लगे रहना या फिर निढाल होकर टीवी इत्यादि देखना। रजत की पिछले छह महीने से कमर में गंभीर दर्द है लेकिन बिजी होने की वजह से इस दर्द को लगातार अनदेखा किए जा रहे हैं। जब दर्द बिल्कुल बर्दाश्त से बाहर हो गया तो चेकअप कराया, जिससे उन्हें हर्निएटिड डिस्क समस्या की बात पता चली। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लापरवाही और समय पर इलाज न कराने से विकलांगता का खतरा हो सकता है जिससे रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित इंडियन स्पाइनल इंजरीज के कंसल्टेंट स्पाइन सर्जन डॉ. गुरुराज एम का कहना है, 'कुछ समय से युवाओं में जॉब के कारण लगातार लंबे समय तक अपने डेस्क पर बैठे काम करते रहने से पीठ दर्द जैसी समस्या सामने आ रही हैं। शारीरिक रूप से खड़े होने की तुलना में बैठने पर हमारी पीठ पर ज्यादा तनाव पड़ता है और लगातर बैठकर काम करने से आमतौर पर पीठ दर्द होने पर हर्निएटिड डिस्क या प्रोलेप्सड डिस्क, जिसे आमतौर पर स्लिप डिस्क कहते हैं, की समस्या हो जाती है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगी भर पाई गई है। इसका मतलब है कि रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है। इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते।

गौरतलब है कि इंसान की रीढ़ 33 हड्डियों से मिलकर बनी है, जिसे वर्टिब्रा कहते हैं। ये स्पंजी इंटरवर्टिबल्र डिस्क और लिगामिंट के साथ है। यही इंटरवर्टिबल्र डिस्क रीढ़ को गतिशीलता और सहारा प्रदान करती है। जन्म के समय 80 प्रतिशत तक इंटरवर्टिबल्र पानी से भरा होता है और ये सख्त कोलेजन फाइबर से घिरा होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है खानपान में पोषक न होना, खाना-पीना सही न होना और सही मुद्रा न होने के कारण पानी कम होने लगता है। इसके साथ-साथ प्रोटीन कम होने लगता है जिसके कारण रीढ़ की हड्डी सख्त होने लगती है और हड्डियों में टूट-फूट होने लगती है। हर्निएटिड डिस्क में एक या इससे अधिक इंटरवर्टिबल्र डिस्क टूटने लगती है जिसके कारण जेली जैसा पदार्थ बाहर आने लगता है। इस लीकेज के कारण आसपास की नसों में दर्द होना या कई बार नसों में अकड़न आ जाती है। इस कारण शरीर के उस भाग में अकड़न आ जाती है और तेज दर्द होता है। अगर समय रहते हर्निऐटिड डिस्क का पता चल जाए तो इसे दवाइयों और फिजियोथेरेपी की मदद से मैनेज किया जा सकता है। हांलाकि गंभीर स्थितियों में कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

इस बारे में डॉ. गुरुराज कहते है, 'पहले सर्जरी के विकल्पों में स्पाइन फ्यूजन उपलब्ध था, हालांकि ये समस्या का इलाज करने में काफी हद तक सक्षम था लेकिन इससे रीढ़ की हड्डी में स्पेस और गतिशीलता कम हो जाती है जिस वजह से इससे जुड़े वर्टिब्रा पर तनाव पड़ता है। लेकिन आधुनिक डिस्क रिप्लेसमेंट थे रेपी ने पीठ दर्द से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने का बेहतरीन विकल्प दिया है। डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी में पुरानी और विकृत डिस्क को प्रोस्थेटिक डिस्क के साथ बदल दिया जाता है और इससे वर्टिब्रा में भी लचीलापन रहता है। यह एक मोबाइल धातु डिस्क होता है जिसे वर्टिब्रा के बीच में रखा जाता है जिससे यह प्राकृतिक रूप से ही काम करने लगती है। जो लोग अपने काम और घर की जिम्मेदारियों को ज्यादा समय के लिए नजरअंदाज नहीं कर सकते, उनके लिए ये थेरेपी बेहद कारगर है।' पीठ दर्द की गंभीर स्थितियों में इस तरह की तकनीकों ने इलाज को बेहद आसान कर दिया है लेकिन इसके अलावा सभी को अपनी जीवनशैली में थोड़े बहुत बदलाव करना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से मजबूती आये और पीठ दर्द जैसी समस्याओं से दूरी बनाई जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीलीभीत एनकाउंटर का लंदन कनेक्शन, मदद के लिए आया था फोन

लखनऊ । बीते 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हुए एनकाउंटर को लेकर नए नए खुलासे हो रहे हैं। इस एनकाउंटर में मारे गए तीनों खालिस्तानी आतंकियों का कनेक्शन लंदन से भी था। जांच और तथ्यों के आधार जो जानकारी आ रही है वो काफी चौंकाने वाली है। खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के आतंकियों की मदद के लिए लंदन से कॉल आई थी। स्थानीय युवक को इन आतंकियों की मदद करने को कहा गया था। ये भी सामने आया है कि जिस शख्स ने कॉल किया था, वो कुछ साल पहले तक ग्रीस में था, वहां से लंदन आया था। पीलीभीत पुलिस ने सीसीटीवी में नजर आ रहे दोनों युवकों को हिरासत में लिया था, ये दोनों पीलीभीत के ही गजरौला के रहने वाले हैं। इनसे पूछताछ में सामने आया है कि नेट कॉल के जरिए आतंकियों की मदद करने को कहा गया था। सीसीटीवी फुटेज में तीनों आतंकियों के साथ होटल के सीसीटीवी में नजर आ रहे युवक के पास कॉल आया था। बता दें कि बीते 23 दिसंबर की सुबह ये खालिस्तानी आतंकी पंजाब और यूपी पुलिस के साथ एनकाउंटर में मारे गए थे। पंजाब पुलिस की टीम 756 किलोमीटर तक इन आतंकियों का पीछा करती रही। फिर यूपी पुलिस की मदद से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया था।

इंजीनियरिंग की छात्रा से रेप, आरोपी ने धमकी दी- जब भी बुआऊंगा आना पड़ेगा

-आरोपी ज्ञानशेखरन कॉलेज परिसर में होटल चलाता

चेन्नई । तमिलनाडु के चेन्नई से एक बेहद शर्मनाक खबर आ रही है। अन्ना यूनिवर्सिटी की इंजीनियरिंग की एक छात्रा के साथ 37 वर्षीय शख्स ने न सिर्फ दुष्कर्म किया, बल्कि पीड़िता को ब्लैकमेल करने का भी प्रयास किया। आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसकी बात नहीं मानी, तब वह उसके इंटीमेट वीडियो को वायरल कर देगा। इस घटना ने न केवल चेन्नई बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। घटना अन्ना विश्वविद्यालय के पास की है, जहां आरोपी ज्ञानशेखरन ने कॉलेज परिसर में ही वारदात को अंजाम दिया। आरोपी, जो कॉलेज के पास एक होटल चलाता था, पहले से ही कई आपराधिक मामलों में आरोपी है। घटना 23 दिसंबर की रात 8 बजे की है, जब पीड़िता अपने दोस्त के साथ कॉलेज परिसर के एक सुनसान हिस्से में मौजूद थी। तभी आरोपी ज्ञानशेखरन वहां पहुंच गया और पीड़िता और उसके साथी को धमकाकर दावा किया कि उसके पास उनके इंटीमेट फोटोज और वीडियो हैं। पीड़िता के साथी के जाने के बाद, आरोपी ने पीड़िता का जबरन बलात्कार किया। बात दें कि ज्ञानशेखरन के खिलाफ पहले से ही चोरी, डकैती और 2011 में एक महिला के साथ दुष्कर्म सहित 15 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़िता का फोन नंबर मांगा और धमकी दी कि जब भी वह बुलाए, पीड़िता को आना होगा।

भारत के मानचित्र विवाद पर भाजपा का पलटवार, कांग्रेस को नई मुस्लिम लीग करार दिया

बेलगावी । कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक होने वाली है। इसके पहले वहां नेताओं के स्वागत में पोस्टर और बैनर लगे हैं, इस लेकर विवाद छिड़ गया है। आरोप है कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैनरों और फ्लेक्स में भारत के मानचित्र को विकृत रूप में दिखाया है। बेलगावी शहर के प्रवेश द्वार पर लगाए गए इन बैनरों में जो भारत का मानचित्र छपा है, उसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन का क्षेत्र गायब किया गया है। भाजपा ने मामले पर तीखा पलटवार कर कांग्रेस को नई मुस्लिम लीग करार दिया है। बता दें कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी 26 और 27 दिसंबर को बेलगावी में बैठक होने होने वाली है। कांग्रेस पार्टी इस साल को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सत्र की शताब्दी वर्ष के तौर पर मना रही है, जिसकी स्थापना 1924 में हुई थी। इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करने वाले हैं।

अभिनेता सोनू सूद ने क्यों किया मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम बनने से इंकार

मुंबई । अभिनेता सोनू सूद ने कोविड के दौरान कई जरूरतमंद लोगों की मदद की थी। कोविड के दो साल बीत जाने के बाद भी आज भी उनके घर मदद के लिए लोगों की लंबी भीड़ लगी रहती है। इसकारण सोनू को मसीहा का टैग तक मिला हुआ है। अब सोनू ने बताया कि उन्हें राजनीति में आने के कई ऑफर्स आए थे। इतना ही नहीं सोनू का दावा है कि उन्हें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम का भी ऑफर आया था। सोनू ने बताया कि उन्हें वहां जिदंगी का सबसे एक्साइटिंग फेस लगा जब इतने पावरफुल लोगों ने उन्हें अप्रोच किया। सोनू ने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री बनने का ऑफर मिला था। जब मैंने मना किया, तब उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम बन जाओ। वे लोग काफी बड़े लोग थे और उन्होंने मुझे राज्यसभा की सीट भी ऑफर की। सोनू ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा कि राज्य सभा की मेंबरशिप ले लो, हमें जॉइन कर लो, आपको राजनीति में हमेशा लड़ने की जरूरत नहीं है किसी चीज के लिए। वहां काफी एक्साइटिंग फेज था क्योंकि इतने पावरफुल लोग आपसे मिलने आए और आपको देश में बदलाव लाने को बोल रहे थे।

बजट से पहले कार्मिक मंत्रालय में प्रशासनिक फेरबदल

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने बजट से 5 हफ्ते पहले कार्मिक मंत्रालय ने प्रशासनिक फेरबदल किया। बिहार कैडर से 1992 बैच के आईएएस अफसर अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त बनाया गया है। दिसंबर में संजय मल्होत्रा के भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर नियुक्त करने के बाद राजस्व सचिव का पद खाली हो गया था। चावला वर्तमान में फार्मास्यूटिकल्स सेक्रेटरी हैं। आधार प्राधिकरण के सीईओ अमित अग्रवाल, चावला की जगह फार्मास्यूटिकल्स सचिव बनाए गए है।

खतरे में है महात्मा गांधी की विरासत, कांग्रेस की बैठक में बोलीं सोनिया गांधी, बीजेपी पर निशाना साधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) प्रमुख सोनिया गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों पर महात्मा गांधी की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत को दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पढ़े गए अपने संदेश में, सोनिया गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला और उन ताकतों से लड़ने का आह्वान किया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जहरीला माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई।

सोनिया गांधी ने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर था। आज, हम महात्मा गांधी की विरासत को संरक्षित, संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं। वह हमारी प्रेरणा के मूल स्रोत रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह वह ही थे जिन्होंने उस पीढ़ी के हमारे सभी उल्लेखनीय नेताओं को तैयार किया और उनका मार्गदर्शन किया। उनकी विरासत को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है।

गांधी ने कहा कि इन संगठनों ने कभी भी हमारी आज़ादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया। उन्होंने एक विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या हुई। वे उसके हत्यारों का महिमामंडन करते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश भर में विभिन्न स्थानों पर गांधीवादी संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और कहा कि यह उचित है कि इस बैठक को 'नव सत्याग्रह बैठक' कहा जाए। उन्होंने कहा कि अब यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम इन ताकतों का पूरी ताकत से और अडिग दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला करने के अपने संकल्प को नवीनीकृत करें।

गिरिराज का तंज, लालू को भारत रत्न नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र रत्न मिलना चाहिए

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने के केंद्रीय मंत्री और गिरिराज सिंह की मांग पर सियासी पारा चढ़ गया है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बीजेपी नेता की मांग को हास्यास्पद बताने को लेकर गिरिराज सिंह ने पार्टी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि

लालू को भारत रत्न नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का संयुक्त राष्ट्र रत्न दिया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने काम ही ऐसा किया है कि भारत रत्न से काम नहीं चलेगा। लालू को भी राजद कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न देने की मांग की। पटना में पोस्टर भी लगाए गए थे। नीतीश कुमार को भी भारत रत्न देने के लिए पटना में पोस्टरबाजी की गई थी। मीडिया के सवालों का जबाव देकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि लालू यादव ने जिदंगी भर ऐसा काम किया है कि उन्हें भारत रत्न से पूरा नहीं होगा, उन्हें विश्व रत्न का पुरस्कार मिलना चाहिए। क्योंकि लालू ने चारा घोटाला, रेल घोटाला, नौकरी के लिए जमीन घोटाला जैसे कार्यों के लिए भी कुछ होना चाहिए। विपक्ष से कहना है कि आपको यूएनओ से मिलेगा क्योंकि भ्रष्टाचार की महिमा को विश्व भर में लालू जी ने पहुंचाया है। इन्हें देश का रत्न तब नहीं मिल सकता, इन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ का रत्न मिलना चाहिए। गिरिराज सिंह का यह बयान देश में नई सियासी बयार को हवा देने वाला है। माना जा रहा है कि आरजेडी की ओर से गिरिराज सिंह के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया आ सकती है।

उत्तर-पूर्व राज्यों में साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने में जुटा पाकिस्तान

*** तस्करी के माध्यम से भारी मात्रा में हथियार पहुंचा रहा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अशांति का माहौल पैदा करने के लिए अब उत्तर-पूर्व राज्यों में साम्प्रदायिक माहौल को हवा देने में जुटी है। इसके लिए पाकिस्तान से तस्करी के द्वारा अत्याधुनिक हथियारों की बड़ी खेप जम्मू-कश्मीर व पंजाब के रास्ते उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहुंचाई जा रही है। इसके लिए बिहार का इस्तेमाल एक ट्रांजिट रूट व तस्करों के लिए हथियारों का भंडारण करने के लिए हो रहा है। इस संबंध में हाल ही में खुफिया जांच एजेंसियों को कुछ इनपुट मिले हैं। सूत्रों के अनुसार खुफिया जांच एजेंसियों को जानकारी मिली है कि पाकिस्तान के कुछ बड़े हथियार तस्कर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में तस्करी के माध्यम से भारी मात्रा में हथियार पहुंचा रहे हैं।

इन हथियारों को हरियाणा, फिर यूपी होकर बिहार में गुप्त ठिकानों पर ले जाया जाता है। डिमांड के अनुसार इन हथियारों की सप्लाई नगालैंड, मणिपुर व उत्तर पूर्व के अन्य राज्यों में की जा रही है।

सूत्र बताते हैं कि एनआईए ने 5 राज्यों में मौजूद संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर हथियार व नकदी भी बरामद की थी। पाकिस्तान के कुछ हथियार तस्करों व भारत के कुछ हथियार तस्करों के बीच डार्क-वेब पर हुई एक बातचीत को इंटरसेप्ट किया था। इससे साफ होता हैं कि उत्तर-पूर्वी राज्यों में माहौल खराब करने के लिए भारी मात्रा में अवैध हथियार खरीदे जा रहे हैं। इन हथियारों की पेमेंट बिटकॉइन के द्वारा की गई है। जांच एजेंसियां उन खातों की जांच में जुटी है, जिनके जरिए बिटकाइन खरीदे गए थे।

एनआईए ने कश्मीर में एक जगह पर, पंजाब व हरियाणा में एक जगह पर और बिहार में 12 जगहों पर छापेमारी कर हथियारों का जखीरा और 13 लाख रुपए बरामद किए थे। छापेमारी के दौरान एनआईए को हथियार तस्करी के धंधे में लिप्त एक व्यक्ति की डायरी भी मिली थी। डायरी में देशभर के हथियार तस्करों के बारे में अहम जानकारियां जांच एजेंसी को मिली है।

खुफिया एजेंसियों के अनुसार पाकिस्तान से तस्करी के द्वारा आने वाले हथियारों को कश्मीर से पंजाब-हरियाणा से होकर आजमगढ़ में व बिहार के 12 जिलों में अलग-अलग जगहों पर जमा किया जाता है। इसके बाद वहां से इन्हें आगे बेचा जाता है। बिहार को अवैध हथियारों की तस्करी के लिए हाल्ट कम ट्रांजिट रूट के रूप में तस्कर इस्तेमाल कर रहे हैं।

बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल के विकास के लिए मोदी सरकार की पूर्वोदय योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के ऐतिहासिक समुद्री तट की पृष्ठभूमि में जहां प्राचीन समुद्री इतिहास की कहानियां आज भी लोककथाओं में जीवित हैं, पूर्वी भारत का विकास अब सुर्खियों में आ रहा है। बीते एक दशक में क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि, रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढांचे की संभावनाओं पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पूर्वी भारत को आगे लाने का विचार नया नहीं

पूर्वी भारत को देश के आर्थिक केंद्र में लाने की कहानी नई नहीं है। दशकों पहले राष्ट्रीय नेताओं ने क्षेत्र की खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और समुद्री इतिहास की ओर ध्यान दिलाया था। बिहार के उपजाऊ मैदानों से लेकर झारखंड के खनिज क्षेत्रों तक पश्चिम बंगाल के बंदरगाहों से आंध्र प्रदेश के तटों और ओडिशा की समुद्री धरोहर तक यह विशाल क्षेत्र हमेशा से राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों में अपनी धाक दिखाने की ताकत रखता है। हालांकि लंबे समय तक यह विकास का वादा केवल बातों तक ही सीमित रहा। कई जानकार मानते हैं कि पूर्वी भारत निवेश, बुनियादी ढांचे और नवाचार के मामले में पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों से पिछड़ गया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई कदम उठाए गए हैं जो इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने की ओर बढ़ रहे हैं।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की सरकार पूर्वी भारत को विकसित भारत के लक्ष्य का अहम हिस्सा बताती है। जुलाई 2024 में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में पूर्वोदय योजना की घोषणा की। योजना बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के समग्र विकास पर केंद्रित है।

2015 में शुरू हुई थी पूर्वोदय की बात

यह ध्यान रखना जरूरी है कि पूर्वोदय का विचार नया नहीं है। 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा के पारादीप में एक बड़ी तेल रिफाइनरी परियोजना को समर्पित कर पूर्वी भारत के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर पूर्वी भारत विकसित नहीं होगा, तब देश का दीर्घकालिक विकास अधूरा रहेगा। आज पूर्वोदय योजना प्रधानमंत्री की उसी सोच को रणनीतिक तरीके से लागू करने का प्रयास है। इस क्षेत्र में हो रहे प्रयास न केवल बुनियादी ढांचे और निवेश को गति देंगे बल्कि इसे देश की विकास यात्रा का केंद्र भी बनाएंगे। पूर्वी भारत का यह पुनर्जागरण न केवल इस क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है।

बांग्लादेश पर मौन हैं राजनीतिक दल-शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी । ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि भारत में हर राजनीतिक दल को मुसलमानों की चिंता है क्योंकि उनके पास वोट की ताकत है। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ कोई खड़ा होने के लिए तैयार नहीं है। भारत में कोई राजनैतिक दल बांग्लादेश के हिंदुओं की दुर्दशा पर बोलने के लिए तैयार नहीं है जबकि फलस्तीन और यूक्रेन पर सभी काफी मुखर हैं। उन्हें पश्चिम एशिया और यूरोप की चिंता है पर पड़ोस में 80 साल पहले तक भारत का अंग रहे बांग्लादेशी हिंदुओं की फिक्र करने में भय लगता है। इसका कारण सबको पता है। शंकराचार्य घाट स्थित श्रीविद्यामठ में प्रेसवार्ता के दौरान शंकराचार्य ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदू अपनी मेहनत का खाते हैं पर किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। मुझसे भी उन हिंदुओं ने पैसे की मदद जुटाने के लिए मदद की गुहार नहीं की बल्कि कहा कि वह अपने हितों और सम्मान के लिए लड़ते हुए मरना पसंद करेंगे किंतु किसी के सामने अपमानित होना और हाथ फैलाना पसंद नहीं करेंगे। धर्मांतरण के लिए उन पर भारी दबाव है और मना करने पर जान से मारे जाने का खतरा भी है। उनकी बातों में दर्द के साथ हिंदू होने का गौरव भी झलक रहा था। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अनायास ही एक दिन में नहीं बनी, वर्षों से हिंदुओं के साथ बांग्लादेश में यह सब चल रहा है। हम उत्पीड़ित बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ हैं। उनकी पीड़ा सुनना भयावह था। हिंदुओं को जो बांग्लादेश के बराबर के हकदार और वहां के नागरिक हैं उन्हें काफिर कहकर अपमानित किया जाता है।

एनडीए की बैठक से निकला मंत्र, देशवासियों को बताना कांग्रेस ने किस तरह किया आंबेडकर का अपमान

आम चुनाव में संविधान बदलने और आरक्षण छीनने का नैरेटिव की निकाली कट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में संविधान सभा पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लंबा भाषण दिया था, जिसके एक हिस्से को वायरल करके कांग्रेस आंबेडकर के अपमान का आरोप लगा रही है। मामले में सपा, बसपा, आरजेडी सहित तमाम विपक्षी दल भी सक्रिय हो चुके हैं। इससे भाजपा को दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में नुकसान का डर भी सताने लगा रहा है। बताया जा रहा इसकारण बुधवार को दिल्ली में एनडीए दलों की मीटिंग भाजपा ने बुलाई थी। बैठक में चंद्रबाबू नायडू, संजय निषाद, जीतन राम मांझी और अनुप्रिया पटेल जैसे नेता मौजूद थे। वहीं नीतीश कुमार और एकनाथ शिंद ने अपने प्रतिनिधियों को भेजा था।

बैठक में शाह ने कहा कि उनके भाषण को गलत ढंग से कांग्रेस पेश कर रही है और आंबेडकर के अपमान के अपने पुराने पापों को भुलाना चाहती है। उन्होंने सहयोगी दलों से कहा कि मामले पर बैकफुट पर जाने की कोई जरूरत नहीं है। इसकी बजाय देश भर में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर आक्रामक होकर जवाब दे। भाजपा के रणनीतिकारों का कहना है कि इस मामले में न डिफेंसिव होना है और ना ही उपेक्षा करनी है। इस मामले में आक्रामक होना जरूरी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने और आरक्षण छीने जाने का नैरेटिव कांग्रेस और उसके साथी दलों ने चलाया था। तब भाजपा कांग्रेस के इस नैरेटिव की गहराई नहीं समझ सकी थी और जब नतीजा आया तब फिर बड़ा नुकसान हुआ।

भाजपा चाहती है कि इस बार बिलकुल भी ढिलाई न दी जाए। कांग्रेस और विपक्ष के नैरेटिव की वक्त रहते ही काट की जा सके। ऐसा इसलिए कि दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों के विधानसभा चुनाव में इसका असर न दिखे। इसलिए पहले ही भाजपा ने साथी दलों के साथ मिलकर अभियान चलाने का फैसला लिया है। इसके तहत कांग्रेस को आंबेडकर के अपमान के मसले पर घेरा जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों इसका संकेत दिया था। यही नहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी यूपी में कांग्रेस पर आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया था। अब ऐसे ही पूरे देश में अभियान चलाने की तैयारी है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भारत की नजर

-पाकिस्तान के हमले के बाद तालिबान ने दी है हवाई हमलों की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भारत पैनी नजर रखे है। तालिबान ने पाकिस्तान को सीमा पार हवाई हमलों का जवाब देने की चेतावनी दी है। इससे पूरे क्षेत्र और यूरेशिया में असर पड़ सकता है, जहां भारत के कई हित जुड़े हैं।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों पर भारत बारीकी से नजर रख रहा है, क्योंकि इस्लामाबाद से नाराज काबुल, नई दिल्ली से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश कर सकता है। भारत हमेशा से काबुल में एक ऐसी सरकार चाहता है जो पाकिस्तान को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गुटों के लिए और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए लॉन्चपैड के तौर पर न करने दे।

पिछले एक साल में भारत ने तालिबान के साथ बातचीत की है, जो

पाकिस्तान को रास नहीं आई। भारत ने अपने प्रतिनिधि को मुंबई में अफगान वाणिज्य दूतावास से काम करने की भी अनुमति दी है। काबुल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह अपनी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने देगा। तालिबान ने भारत के साथ मानवीय और विकास साझेदारी को बढ़ाने में भी रुचि दिखाई है। यह आश्वासन तब दिया गया था जब विदेश मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने नवंबर में अफगानिस्तान में तालिबान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद से मुलाकात की थी। मुजाहिद, मुल्ला उमर के बेटे हैं, जो 1996-2001 के बीच अफगानिस्तान के नेता थे। सूत्रों ने बताया कि फिलहाल तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान में स्थिरता बनी है। हालांकि महिलाओं के अधिकार और शिक्षा अभी भी चिंता का विषय हैं।

बता दें कि पाकिस्तान ने पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमले किए। इन हमलों में 46 लोग मारे गए जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। ये हमले बुधवार को किए गए थे। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले आतंकवादियों के खिलाफ थे। अफगानिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फिरत ने बताया कि पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में चार जगहों पर हमले किए गए। मारे गए लोग शरणार्थी थे।

बीते 10 सालों में 15 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ चुके

*** 2014 से पहले भी हर साल डेढ़ लाख लोगों ने छोड़ी नागरिकता**

पणजी (एजेंसी)। हर साल करीब डेढ़ लाख भारतीय देश की नागरिकता छोड़ रहे हैं। कोई बेरोजगारी के कारण से दूसरे देश में जाकर बस जाता है, तब कोई विदेश में शादी करके उस देश की नागरिकता हासिल कर लेता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार बीते 10 सालों में 15 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ चुके हैं। यानी इस दौरान गोवा या अरुणाचल प्रदेश की आबादी के बराबर लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर दूसरे देश की नागरिकता ले चुके हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार 2014 से 2023 के बीच कुल 1,04,512 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना काल में भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में कमी आई थी, लेकिन उसके बाद फिर नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। सिर्फ 2020 ऐसा साल था, जब भारत की नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या एक लाख से कम थी। बाकी नौ साल में ये आंकड़ा एक से डढ़े लाख की बीच रहा और कभी-कभी यह 2 लाख के पास पहुंच गया।

2014 में 1,29,328 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी। 2015 में 1.3 लाख, 2016 में 1.4 लाख, 2018 में 1.3 लाख, 2019 में 1.4 लाख और 2020 में 85,256 लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर दूसरे देशों में जाकर बस गए। 2021 में 1,63,370 और 2022 में सबसे ज्यादा 2,25,620 इंडियंस ने सिटिजनशिप छोड़ दी। 2023 में नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या 2,16,219 थी।

वहीं विपक्ष का आरोप था कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सत्ता में आने के बाद से ज्यादा भारतीय नागरिकता छोड़ रहे हैं। हालांकि, 2014 से पहले भी नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या हर साल करीब-करीब डेढ़ लाख ही थी। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2013 में 1,31,405 और 2012 में 1,20,923 लोग भारत छोड़ गए। 2011 में 1,22,819 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ दी।

भारत की नागरिकता छोड़कर इन लोगों ने 135 देशों की सिटिजनशिप हासिल की है। इसमें अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों से लेकर थाईलैंड, मलेशिया, पेरू, नाइजीरिया और जांबिया जैसे छोटे देश भी शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बाइडेन ने 37 अपराधियों को किया माफ, सजा ए मौत का फैसला बदला, भड़के ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय मौत की सजा पाए 37 व्यक्तियों की सजा कम करने के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन के फैसले की आलोचना की है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जो बाइडेन ने हमारे देश के सबसे बुरे हत्यारों में से 37 की मौत की सजा कम कर दी है। जब आप उनमें से प्रत्येक के कृत्यों को सुनेंगे, तो आपको विश्वास नहीं होगा कि उन्होंने ऐसा किया है। इसका कोई मतलब नहीं है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप की यह टिप्पणी बाइडेन द्वारा यह घोषणा करने के एक दिन बाद आई है कि वह संघीय मृत्युदंड की सजा काट रहे 40 व्यक्तियों में से 37 की सजा को पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास में बदल रहे हैं। बाइडेन ने एक बयान में कहा, मैं इन हत्यारों की निंदा करता हूं, उनके घृणित कृत्यों के पीड़ितों के लिए शोक मनाता हूं और उन सभी परिवारों के लिए दुख व्यक्त करता हूं, जिन्हें अकल्पनीय और अपूरणीय क्षति हुई है। बाइडेन ने आगे कहा, लेकिन मेरी अंतरात्मा और एक सार्वजनिक वकील, सीनेट न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति और अब राष्ट्रपति के रूप में मेरे अनुभव के आधार पर मैं पहले से कहीं अधिक आश्वस्त हूं कि हमें संघीय स्तर पर मृत्युदंड के उपयोग को रोकना चाहिए। निवर्तमान राष्ट्रपति ने कहा, अच्छे विवेक के साथ मैं पीछे नहीं हट सकता और एक नए प्रशासन को फांसी को फिर से शुरू करने नहीं दे सकता, जिन्हें मैंने रोका था। मंगलवार को एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि जैसे ही उनका पदभार ग्रहण होगा, वे न्याय विभाग को अमेरिकी परिवारों और बच्चों को हिंसक बलात्कारियों, हत्यारों और राक्षसों से बचाने के लिए मृत्युदंड को सख्ती से लागू करने का निर्देश देंगे। ट्रंप ने कहा, हम फिर से कानून और व्यवस्था का राष्ट्र बनेंगे। डेथ पेनाल्टी इन्फॉर्मेशन सेंटर के अनुसार अमेरिका में कुल मिलाकर 2250 कैदी मौत की सजा का सामना कर रहे हैं। यह एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका मिशन मीडिया, नीति निर्माताओं और आम जनता को मृत्युदंड और इससे प्रभावित होने वाले लोगों से संबंधित मुद्दों पर डेटा और विश्लेषण उपलब्ध कराना है।

रूस का यूक्रेन की इमारत पर मिसाइल से हमला, एक व्यक्ति की मौत

क्रिवी, एजेंसी। यूक्रेन के शहर क्रिवी रिह में मंगलवार को एक रूसी बैलिस्टिक मिसाइल ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गवर्नर सेरही लिसाक ने कहा कि हमले में कम से कम 11 अन्य लोग घायल हो गए और चार मंजिला इमारत के मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो से पता चला कि इमारत का एक तरफ का हिस्सा लगभग पूरी तरह से ढह गया है। यह हमला तब हुआ जब यूक्रेन 25 दिसंबर को दूसरी बार आधिकारिक तौर पर क्रिसमस मनाने की तैयारी कर रहा है।

हैती गिरोह के हमले में दो पत्रकारों की मौत, कई अन्य घायल

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। पोर्ट-ऑ-प्रिंस के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल के पुनः खुलने के मौके पर आयोजित समारोह के दौरान मंगलवार को एक गिरोह ने हमला कर दिया जिसमें दो पत्रकारों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हैती के ऑनलाइन मीडिया एसोसिएशन ने यह जानकारी दी। हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के लगभग 85 प्रतिशत हिस्से पर कुछ गिरोहों ने कब्जा कर लिया है और उन्होंने इस साल की शुरुआत में सरकारी अस्पताल को बंद करवा दिया था। अधिकारियों ने अस्पताल को मंगलवार को पुनः खोलने का आश्वासन दिया था, लेकिन जब पत्रकार इस मौके पर कवरेज के लिए जमा हुए तो संदिग्ध गिरोह के सदस्यों ने गोलीबारी कर दी। ऑनलाइन मीडिया संगठन के प्रवक्ता रॉबेस्ट डिमांचे ने बताया कि मृत पत्रकारों की पहचान मार्केंजी नाथूक्स और जिमी जीन के रूप में हुई है। डिमांचे ने बताया कि हमले में कई पत्रकार घायल भी हुए हैं। उन्होंने इस हमले के लिए 'विव एंसनम' गिरोह को जिम्मेदार ठहराया।

अंतरिक्ष के रहस्य : अंतरिक्ष में मिला विशाल जलाशय, पृथ्वी के महासागरों से 140 खरब गुना बड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में एक विशाल जलाशय मिला है, इसका आकार पृथ्वी पर मौजूद महासागरों से 140 खरब गुना बड़ा है। यह एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के पास स्थित है, जो कि हमारे सूर्य से लगभग 20 अरब गुना बड़ा है। कैलिफोर्निया के पासाडेना में नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी की एक टीम ने इसका पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह ब्रह्मांड में 12 अरब प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है। अनुमान है कि ये पानी ब्रह्मांड की शुरुआत के कुछ ही समय बाद से यहां मौजूद है। इसके आसपास एक आकाशीय पिंड (क्वासर) है, जो हजारों खरब सूर्य जितनी ऊर्जा छोड़ता है। खगोलविदों के अनुसार, यह ब्रह्मांड में अब तक पहचाने गए सबसे दूरस्थ व बड़े जल भंडार का घर है। खगोलविदों ने इस विशेष क्वासर के आसपास के वातावरण में जल वाष्प की खोज की। वाष्प सैकड़ों प्रकाश-वर्ष तक फैली हुई है। इसमें से एक प्रकाश-वर्ष लगभग छह खरब मील के बराबर है।

रातोंरात पाकिस्तान की अफगानिस्तान में बड़ी एयर स्ट्राइक, 15 लोगों की मौत

बरमल, एजेंसी। पाकिस्तान ने 24 दिसंबर की रात को अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बरमल जिले को निशाना बनाकर हवाई हमलों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 15 लोग मारे गए। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बचाव कार्य जारी रहने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। हमलों में लामन सहित सात गाँव शामिल थे, जहाँ एक ही परिवार के पाँच सदस्यों की जान चली गई। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी जेट बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें मुर्ग बाज़ार गाँव में काफ़ी तबाही हुई। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने हवाई हमलों की निंदा की और जवाबी कार्रवाई की कसम खाई। मंत्रालय ने कहा, अपनी भूमि और संप्रभुता की रक्षा करना हमारा वैध अधिकार है, और कहा कि पीड़ितों में वज़ीरिस्तानी शरणार्थी भी शामिल थे। आधिकारिक हताहतों के आँकड़ों का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कथित तौर पर कम से कम 15 शव बरामद किए गए हैं। हवाई हमले पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं, खासकर अफ़गान क्षेत्र में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों की मौजूदगी को लेकर। पाकिस्तान ने बार-बार अफ़गान तालिबान पर टीटीपी लड़ाकों को शरण देने का आरोप लगाया है, जिन्होंने हाल के महीनों में पाकिस्तानी सेना पर हमले बढ़ा दिए हैं। जवाब में, अफ़गान

तालिबान ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि हाल के हमलों में आतंकवादियों को नहीं, बल्कि नागरिकों को निशाना बनाया गया था। अफ़गान रक्षा मंत्रालय ने कहा, अफ़गानिस्तान का इस्लामी अमीरात इसे सभी अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों और घोर आक्रामकता के विरुद्ध एक क्रूर कृत्य मानता है और इसकी कड़ी निंदा करता है। इस्लामिक अमीरात इस कायरतापूर्ण कृत्य को अनुत्तरित नहीं छोड़ेगा, बल्कि अपने क्षेत्र की रक्षा को अपना अविभाज्य अधिकार मानता है। इस्लामाबाद का तर्क है कि कई टीटीपी नेता और लड़ाके अफ़गानिस्तान भाग गए हैं, और तालिबान के संरक्षण में सीमावर्ती प्रांतों में शरण ले रहे हैं। हालाँकि, अफ़गान अधिकारियों ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि बम विस्फोटों के शिकार मुख्य रूप से विस्थापित नागरिक थे। यह हमला अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि मोहम्मद सादिक के व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए काबुल जाने के ठीक बाद हुआ। इस समय ने दोनों पड़ोसियों के बीच राजनयिक संबंधों में गिरावट के बारे में अटकलों को हवा दी है। नवंबर 2022 में पाकिस्तान सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने वाले टीटीपी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर अपने हमले तेज़ कर दिए हैं। इन हमलों में हाल के महीनों में दर्जनों सैनिक मारे गए और घायल हुए हैं, जिससे इस्लामाबाद में सुरक्षा चिंताएँ बढ़ गई हैं।

अफगानिस्तान बोला- जवाबी कार्रवाई करेंगे : अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक की निंदा की है। काबुल ने आरोप लगाया कि बमबारी में महिलाओं और बच्चों समेत आम नागिरकों को निशाना बनाया गया है। अफगानिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताया। अफगानी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर नाराजगी जताई। मंत्रालय ने लिखा कि इस तरह के एकतरफा कदम किसी समस्या का समाधान नहीं हैं। अफगानिस्तान ने एयरस्ट्राइक का जवाब देने की बात कही। मंत्रालय ने लिखा, अपनी मातृभूमि की रक्षा करना हमारा अधिकार है, हम इस कायरतापूर्ण हमले का जवाब जरूर देंगे।

2022 से टीटीपी ने पाकिस्तान पर हमले तेज किए : पाकिस्तान अक्सर आरोप लगाता है कि पाकिस्तानी तालिबान अफगानिस्तान के जमीन का इस्तेमाल करके उस पर आतंकी हमले करता है। हालांकि पाकिस्तान के इन आरोपों को अफगानिस्तान ने खारिज करता रहा है। अफगानिस्तान में 2021 के तालिबान की वापसी के साथ ही पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) मजबूत हुआ है। टीटीपी ने नवंबर 2022 में पाकिस्तान के साथ सीजफायर को एकतरफा तौर पर खत्म कर दिया था। इसके बाद उसने पाकिस्तान पर हमले तेज कर दिए हैं।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका राजनयिक गतिविधियों को पूरी तरह से बहाल करने पर सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उन द्विपक्षीय राजनयिक और सुरक्षा कार्यक्रमों को पूरी तरह से फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है, जिन्हें राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा मॉर्शल लॉ लगाने के बाद स्थगित कर दिया गया था। सोल के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उप विदेश मंत्री किम होंग-क्यून और अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल की वाशिंगटन में हुई वार्ता में यह सहमति बनी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मंत्री और उप सचिव ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के कार्यक्रमों पर चर्चा की और स्थगित राजनयिक और सुरक्षा कार्यक्रमों को पूरी तरह से फिर से शुरू करने, उन्हें जल्द से जल्दस पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। यून के मार्शल लॉ की घोषणा के बाद, सोल और वाशिंगटन ने परमाणु परामर्श समूह (एनएसजी) के सत्र को स्थगित कर दिया। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन की इस महीने इंडो-पैसिफिक की यात्रा से कोरिया दौरे भी रद्द कर दिया गया। बता दें राष्ट्रपति यून ने 03 दिसंबर की रात को दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन बुधवार को संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा। हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने देश की राजनीति को हिला कर रख दिया। नेशनल असेंबली ने 14 दिसंबर को राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया था। यह प्रस्ताव 03 दिसंबर की रात को मार्शल लॉ लागू करने के लिए उनके खिलाफ लाया गया था। अब सभी की निगाहें संवैधानिक न्यायालय पर टिकी हैं।

गाजा में हर घंटे एक बच्चा मारा जाता है: संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के मुताबिक गाजा पट्टी में हर घंटे एक बच्चा मारा जा रहा है। यूएनआरडब्लूए ने बताया, यूनिसेफ के अनुसार युद्ध की शुरुआत से अब तक गाजा में 14,500 बच्चों की मौत हो चुकी है। हर घंटे एक बच्चा मारा जाता है। ये संख्याएं नहीं हैं। ये असमय मौत के घाट उतारी जा रही जिंदगियां हैं। इसमें कहा गया, बच्चों की हत्या को उचित नहीं ठहराया जा सकता। जो बच जाते हैं, वे शारीरिक और भावनात्मक रूप से पीड़ित हो जाते हैं। गाजा में पढ़ाई से वंचित बच्चे मलबे छानती दिख जाते हैं। आगे कहा गया, इन बच्चों के लिए समय बीतता जा रहा है। वे अपना जीवन, अपना भविष्य और सबसे बढ़कर अपनी उम्मीद खो रहे हैं। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के उत्पात का बदला लेने के लिए इजरायल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण कर रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में चल रहे इजरायली हमलों में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 45,338 हो गई है। सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास के साथ बंधकों के लिए संघर्ष विराम समझौते को सील करने के प्रयासों में प्रगति हुई है।

शेख हसीना के बेटे का युनूस सरकार पर आरोप, कहा- राजनीतिक बदले के लिए न्यायपालिका को बनाया हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ लगातार दर्ज हो रहे मुकदमों को लेकर अंतरिम सरकार पर आरोप लगे हैं। हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने मोहम्मद युनूस सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए न्यायपालिका को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। अंतरिम सरकार की ओर से पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए भारत को राजनयिक नोट भेजे जाने के बाद सजीब वाजेद ने यह आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली गैर निर्वाचित सरकार अवामी लीग के नेतृत्व को सताने के लिए हमले कर रही है। सरकार की ओर से नियुक्त किए गए जज और अभियोजक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के जरिये राजनीतिक प्रतिशोध के लिए हास्यापद जांचें कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि कंगारू न्यायाधिकरण और उसके बाद प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध तब किया गया है, जब देश में सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं को न्यायेतर तरीके से मार दिया गया। अपमानजनक हत्या के आरोप लगाए गए, कानूनी एजेंसियों ने हजारों लोगों को अवैध रूप से कैद किया। वहीं हर रोज लूटपाट, बर्बरता और आगजनी सहित हिंसक हमले हो रहे हैं। सजीब वाजेद ने कहा कि 22 दिसंबर को आईसीटी न्यायाधिकरण के एक मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने अवामी लीग की अध्यक्ष और पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ जानबूझकर गलत सूचना फैलाई कि इंटरपोल ने उनके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। यह शेख हसीना के

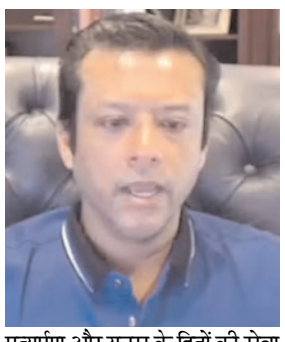

प्रत्यर्पण और यूनुस के हितों की सेवा का हास्यास्पद परीक्षण करने का एक हताश प्रयास था। पूर्व पीएम के बेटे ने कहा कि बाद में मीडिया में झूठ उजागर होने के बाद उसी अभियोजक ने अपना बयान बदल दिया। अब आधिकारिक तौर पर प्रत्यर्पण के लिए भारत को अनुरोध भेजा है। हमारा कहना है कि जुलाई और अगस्त के बीच मानवाधिकार उल्लंघन की हर एक घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से जांच की जानी चाहिए। मगर देश में यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने न्यायपालिका को हथियार बना दिया है। हमे न्याय प्रणाली पर कोई भरोसा नहीं है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने फिर की है शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। बांग्लादेश की तरफ से भारत को एक नोट भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि न्याय का सामना करने के लिए उन्हें बांग्लादेश में भेजा जाना चाहिए। हालांकि इस नोट में ये नहीं बताया गया है कि क्या आरोप हैं। पांच अगस्त से भारत में हैं शेख हसीना बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के बीच पांच अगस्त को भारत चली गई थीं।

इस दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में कई लोग घायल हुए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुताबिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों घायल हुए। इस मामले में हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपराध और नरसंहार की 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज हैं, इनमें हत्या के 194, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के 16 मामले, अपहरण के तीन मामले, हत्या के प्रयास के 11 मामले और 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' की रैली पर हमले के संबंध में एक मामला शामिल है।

तुर्की पुलिस ने तख्तापलट करने के प्रयासों से जुड़े 32 संदिग्धों को हिरासत में लिया

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की पुलिस ने 2016 के तख्तापलट के प्रयास करने वाले लोगों को निशाना बनाकर एक अभियान चलाया, जिसमें 32 लोगों को हिरासत में लिया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, मंगलवार को तुर्की के चार प्रांतों में खुफिया और आतंकवाद विरोधी इकाइयों ने इजमिर में मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा समन्वित अभियान चलाया। इन लोगों की सरकार विरोधी गुलेन आंदोलन में सक्रियता पता चलने के बाद पुलिस ने 35 संदिग्ध लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इन लोगों को तुर्की सरकार 15 जुलाई 2016 के तख्तापलट के प्रयास के लिए जिम्मेदार मानती है। जांच में यह भी पता चला कि ये लोग संदिग्ध समूह को पुनर्गठित करने और वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए नए तरीके तलाश रहे थे। तुर्की के राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक टीआरटी ने बताया कि पुलिस टीमों ने संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए छह महीने तक निगरानी की है। अभी बचे तीन लोगों को पकड़ने के

प्रयास जारी हैं। बता दें कि तुर्की में 2016 में मुस्लिम धर्मगुरु फतुल्लाह गुलेन के नेतृत्व में शुरू हुए इस आंदोलन पर तुर्की सरकार ने तख्तापलट के प्रयास का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया है। इस आंदोलन में 250 से अधिक लोग मारे गए थे। गुलेन का सितंबर में संयुक्त राज्य अमेरिका में निधन हो गया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इससे पहले मंगलवार को तुर्की पुलिस ने चार प्रांतों में एक अभियान चलाकर इस्लामिक स्टेट (आईएस) के लिए फंड इकट्ठा करने के आरोप में 16 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया था। वारंट के बाद, पुलिस ने इजमिर, मर्सिन, अदाना और मनीसा में 10 व्यवसायों पर छापे मारे, इसमें 16 संदिग्धों को हिरासत में लिया और 4,110 डॉलर, 7,205 यूरो, 434,650 तुर्की लीरा, 40 ग्राम सोना और कई डिजिटल सामग्री जब्त की।

रूस से लड़ाई के बीच जेलेंस्की का बड़ा दावा- यूक्रेन ने किम जोंग के 3000 सैनिकों को मार गिराया

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। 23 दिसंबर को जारी एक एक बयान में कहा कि रूस के कुर्स्क इलाके में रूसी सेना की तरफ से लड़े रहे उत्तर कोरिया के 3000 से अधिक सैनिकों की या तो मौत हो चुकी है या फिर वे घायल हैं। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस ने अगस्त माह के शुरुआत से ही उत्तर कोरिया के लगभग 12,000 सैनिकों को यूक्रेन भेजा है। जेलेंस्की ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ती सैन्य सहयोग को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि इससे आधुनिक युद्ध तकनीक और सैन्य अनुभव का आदान-प्रदान हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया और रूस के बीच इस सहयोग से अतिरिक्त सैनिकों और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप यूक्रेन को सख्त प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता होगी। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि रूस और उत्तर कोरिया की बढ़ती साझेदारी से न केवल क्यूरेनियन सीमा, बल्कि पूरे कोरियाई प्रायद्वीप और आस-पास के क्षेत्रों में अस्थिरता का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों की संख्या से जुड़ी जानकारी का उल्लेख करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उनका यह आकलन यूक्रेनी खुफिया विभाग द्वारा एकत्रित आंकड़ों पर आधारित है। आपको बता दें कि

दक्षिण कोरियाई सांसद ली सुंग-कों ने 19 दिसंबर को बयान जारी करते हुए कहा था कि 100 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं और लगभग 1,000 घायल हुए हैं।

रूस का यूक्रेन की इमारत पर हमला, एक की मौत

इस बीच यूक्रेन के शहर क्रिवी रिह में मंगलवार को एक रूसी बैलिस्टिक मिसाइल ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गवर्नर सेरही लिसाक ने कहा कि हमले में कम से कम 11 अन्य लोग घायल हो गए और चार मंजिला इमारत के मलबे के नीचे और भी लोग फंसे हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो से पता चला कि इमारत का एक तरफ का हिस्सा लगभग पूरी तरह से ढह गया है। यह हमला तब हुआ जब यूक्रेन 25 दिसंबर को दूसरी बार आधिकारिक तौर पर क्रिसमस मनाने की तैयारी कर रहा है।

अंतरिक्ष में फंसीं सुनीता विलियम्स ने पहनी सैंटा की टोपी, खड़ा हो गया विवाद

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे नासा के अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने इस क्रिसमस को खास अंदाज में मनाया है। सैंटा हैट और क्रिसमस की अन्य सजावट पहने इन अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें हाल ही में सामने आईं, जिसमें वे उत्सव के मूड में दिखाई दिए। इन तस्वीरों ने जहां एक ओर लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर नए विवादों को जन्म दे दिया।

इससे पहले, ढ्रस्स पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने धन्यवाद दिवस (थैंक्सगिविंग) भी धूमधाम से मनाया था। अब वे वहीं क्रिसमस और नए साल का जश्न मना रहे हैं। सुनीता और बुच केवल आठ दिन की यात्रा के लिए गए थे, लेकिन तकनीकी और अन्य बाधाओं के कारण लगभग एक साल अंतरिक्ष में बिताने को मजबूर हैं। उनकी वापसी का कार्यक्रम अब 2025 के वसंत तक टाल दिया गया है।

सोशल मीडिया पर उभरे संदेह और षड्यंत्र के दावे : सुनीता और बुच के क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें जैसे ही सामने आईं, सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई यूजर्स ने पूछा, क्या सांता हैट और क्रिसमस की सजावट वे अपने साथ ले गए थे, या उन्होंने इसे वहीं बनाया? एक अन्य ने व्यंग्यात्मक रूप से लिखा, ये वही लोग हैं जो जून में आठ दिन के मिशन के लिए गए थे? इसके अलावा, कुछ यूजर्स ने इसे बड़ा षड्यंत्र बताते हुए दावा किया कि ये सभी तस्वीरें और वीडियो एक स्टूडियो में फिल्माए गए हैं।

नासा ने दिया जवाब : नासा ने इन आरोपों

को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि ढ्रस्स पर भेजे गए ताजा सामान की डिलीवरी में क्रिसमस की सजावट, विशेष उपहार, और उत्सव के भोजन शामिल थे। यह डिलीवरी नवंबर के अंत में एक स्पेसएक्स के जरिए की गई थी। नासा ने बताया कि हर साल ढ्रस्स को ताजा राशन और आवश्यक सामग्री के साथ-साथ त्योहारों के लिए विशेष सामान भी भेजा जाता है।

उत्सव का माहौल : आईएसएस पर मौजूद सात अंतरिक्ष यात्री और कॉस्मोनॉट्स के लिए भेजे गए पैकेज में हैम, टर्की, सब्जियां, पाई और कुकीज जैसे स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ शामिल थे। इसके अलावा, सांता हैट और एक छोटा क्रिसमस ट्री भी भेजा गया था। सुनीता और बुच ने इन सजावटों के साथ अपने क्रिसमस वीडियो को ऑनलाइन साझा किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गैस लाइन में टूटने से फ्लैश फायर होने से 4 लोग झुलस गए और 5 दुकानें जलकर राख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अचानक धमाका होने से 4 लोग झुलस गए और 5 दुकानें जलकर राख हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। प्रभावित लोगों ने मुआवजे की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया।

इस हादसे से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्रशासन और गैस कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस दुर्घटना की जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

सूरत के गोडादरा इलाके में भूमिगत केबल बिछाने के काम के दौरान, नीचे से गुजर रही गैस लाइन में टूटने की घटना सामने आई। गैस लीक होते ही फ्लैश फायर भड़क गई, जिससे चार लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए। अचानक आग फैलते ही लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। इस भयावह आग में पांच दुकानें

जलकर खाक हो गईं। स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। गैस लाइन में लीक होने से लगी आग गोडादरा सिनेमा रोड पर गैस लाइन में लीक होने से जबरदस्त फ्लैश फायर देखी गई। धीरे-धीरे आग ने बड़ा रूप धारण कर लिया। फ्लैश फायर दुकान के पास होने के कारण चार से पांच दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें दो मोबाइल की दुकानों सहित अन्य दुकानों में आग लग गई। गैस लाइन लीक होने के बाद दुकानों में आग लगने से ऊपर रहने वाले निवासियों में डर फैल गया। निवासियों ने तुरंत अपने घरों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूरत के गोडादरा इलाके में भूमिगत केबल बिछाने के काम के दौरान, नीचे से गुजर रही गैस लाइन में टूटने की घटना सामने आई। गैस लीक होते ही फ्लैश फायर भड़क उठी, जिससे चार लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए। अचानक आग फैलने से लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। इस भीषण आग में पांच दुकानें जलकर खाक हो गईं। इसके बाद, प्रभावित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया।

गोडादरा सिनेमा रोड पर गैस लाइन में लीक होने से जबरदस्त फ्लैश फायर देखने को मिली। धीरे-धीरे आग ने बहुत बड़ा रूप ले लिया। फ्लैश फायर दुकान के पास अधिक होने के कारण चार से पांच दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें दो मोबाइल की दुकानों सहित अन्य दुकानें जलकर खाक हो गईं। गैस लाइन के लीक होने के बाद दुकानों में आग लगने से ऊपर रहने वाले निवासियों में दहशत फैल गई। निवासियों ने तुरंत घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इस घटना में पांच लोगों के घायल होने की सूचना मिली है।

फायर अधिकारी सुनील चौधरी ने बताया कि कॉल मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए थे। गैस लाइन में लीक होने के कारण आग लगी थी। आग से दुकानें जल गईं, लेकिन ऊपर रहने वाले निवासियों को भी बाहर भागना पड़ा, जिसमें एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए।

घायलों में एक छोटा बच्चा, एक बच्ची और उनके माता-पिता शामिल हैं। माता-पिता को मामूली चोटें आईं, लेकिन बच्चों को आग की लपटों से ज्यादा चोटें लगीं। हालांकि, सभी घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आग लगने की इस घटना में कॉस्मेटिक और मोबाइल की दुकानों में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। मोबाइल और कॉस्मेटिक का सारा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे दुकानदारों में गुस्सा फैल गया। दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने एकत्र होकर घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर प्रदर्शन किया।

साथ ही, उन्होंने दुकानों को हुए आर्थिक नुकसान का तत्काल मुआवजा देने की मांग की। इसके बाद, विरोधस्वरूप उन्होंने सड़क पर बैठकर रास्ता जाम कर दिया।

दुकानदार भावेश राजपुरोहित ने बताया कि, च्च्मैं सुबह दुकान पहुंचा था और दीवार पर दीपक जला रहा था, तभी लोगों ने बाहर से शोर मचाते हुए कहा कि जल्दी बाहर निकलो, आग लग गई है। जब मैं बाहर आया और आग का विकराल रूप देखा, तो मैंने दुकान का शटर बंद कर दिया। इसके बावजूद आग दुकान तक पहुंच गई और मेरी दुकान में कॉस्मेटिक का सामान, जिसकी कीमत 10 से 12 लाख रुपये थी, जलकर खाक हो गया। मेरी उम्र सिर्फ 18 साल है और मैंने यह माल उधार लिया था। अब लाखों रुपये का नुकसान मैं कैसे चुका सकूंगा?''

डेढ़ करोड़ की लूट सहित 16 अपराधों का आरोपी पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आरोपी ने 2009 से अपराधी गतिविधियों की शुरुआत की थी। आरोपी मर्डर, लूट, वाहन चोरी सहित गंभीर अपराधों में शामिल था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जिनमें लूट की घटना भी शामिल है, जिसमें आरोपी ने डेढ़ करोड़ रुपये की लूट की थी।

सूरत क्राइम ब्रांच ने डेढ़ करोड़ की बड़ी लूट और 16 अलग-अलग चोरी के अपराधों में वांछित आरोपी टीलुसिंह उर्फ गुरु टांक को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस विशेष

ऑपरेशन के तहत आरोपी को वराछा क्षेत्र के अश्विनकुमार त्रिपाण के पास से पकड़ा गया है।

आरोपी टीलुसिंह उर्फ गुरु टांक (आयु 32 वर्ष, निवासी भिवंडी, मुंबई) को क्राइम ब्रांच के सूचना नेटवर्क के आधार पर पकड़ा गया। आरोपी पर महाराष्ट्र के धरणगाव, फैयजपुर, चोपड़ा शहर, ठाणे और मीरा-भायंदर क्षेत्रों में घरफोड़ चोरी, वाहन चोरी और लूट के 16 मामले दर्ज हैं। आरोपी का आपराधिक इतिहास 2009 से शुरू हुआ था, जिसमें मर्डर, लूट और वाहन चोरी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

17 फरवरी 2024 को महाराष्ट्र के धरणगाव में एक्सिस बैंक के कर्मचारी 1.60 करोड़ रुपये की रकम क्रेटा कार में रखकर अन्य बैंक में जा रहे थे। इस दौरान टीलुसिंह और उसके साथियों ने चोरी की कार और स्कॉर्पियो वाहन का इस्तेमाल करके उनका पीछा किया। आरोपियों ने उनकी कार को टक्कर मारी, मिर्च पाउडर छिड़का, लोहे की छड़ से हमला किया और नकदी की राशि लूट ली। टीलुसिंह को इस लूट से 23 लाख रुपये मिले थे। आरोपी पहले चोरी की गई कार का उपयोग अपराधों को अंजाम देने के लिए करता था। चोरी को संभव बनाने के लिए उसका गैंग हथियार और खाने-पीने की व्यवस्था करता था। आरोपी के खिलाफ मुंबई और महाराष्ट्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कुल 16 अपराध दर्ज हैं, जिनमें गंभीर लूट, घरफोड़ चोरी और वाहन चोरी के मामले शामिल हैं।

ज़ोन-6 में आरोपियों के अपराधों को लेकर विशेष बैठक का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पासा (गुजरात के प्रीवेंटिव डिटेंशन एक्ट) के तहत रिहा किए गए कुल 53 आरोपियों को बैठक में उपस्थित किया गया। उन्हें दोबारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल न होने की सख्त चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि अगर वे फिर से किसी गैर-कानूनी काम में लिप्त पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस बैठक का उद्देश्य अपराध दर को कम करना और आरोपियों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सूरत के भेस्तान पुलिस स्टेशन में ज़ोन-6 के डिप्टी पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में पासा (अवैध गतिविधि रोकथाम), शारीरिक संबंधी अपराधों और महिला संबंधी अपराधों को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में भेस्तान, सचिन GIDC, सचिन, इच्छापुर, हजीरा और डुमस पुलिस स्टेशनों के अधिकारी, शिकायतकर्ता और मेंटर पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

इस बैठक में पासा के तहत रिहा किए गए कुल 53 आरोपियों को बुलाया गया। उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी गई कि वे दोबारा किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न हों। इसके अलावा, उन्हें कानून का पालन

करने के लिए विशेष निर्देश भी दिए गए।

महिला शिकायतकर्ताओं के लिए विशेष मार्गदर्शन:

महिला और शारीरिक संबंधी अपराधों की शिकायतकर्ता कुल 81 थीं, जो इस बैठक में उपस्थित रहीं। शिकायतकर्ताओं को आरोपियों की ओर से मिलने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी या धमकी के मामले में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई।

बैठक में उनके द्वारा प्रस्तुत मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया गया। साथ ही, महिला शिकायतकर्ताओं को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता और आवश्यक कानूनी जानकारी भी दी गई, ताकि वे अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक रह सकें।

कार्यक्रमों के माध्यम से आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण का प्रयास:

ज़ोन-6 के मेंटर प्रोजेक्ट के तहत कार्यरत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आरोपियों पर उचित निगरानी रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए। साथ ही, डोज़ियर की समय-समय पर जांच करने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने पर जोर दिया गया।

यह बैठक महानगर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने और कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ज़ोन-6 के सभी पुलिस स्टेशनों द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक करोड़ दे दे कहकर सूरत से मोबाइल एक्सेसरीज के व्यापारी का अपहरण किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कानून व्यवस्था की स्थिति को असामाजिक तत्व लगातार चुनौती दे रहे हैं। इस बीच, सूरत से एक ऑनलाइन मोबाइल एक्सेसरीज के व्यापारी का अपहरण किया गया था। कापोद्रा चार रास्ता के पास व्यापारी का अपहरण किया गया था। आरोपी उसे कार में लेकर गए और आरोपी से एक करोड़ रुपये की मांग की गई। ऑनलाइन मोबाइल एक्सेसरीज के व्यापारी का अपहरण किया गया था। उसे कार में अपहरण करके एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। बाद में उसे कहा गया कि, "तू बुक है, तेरे पास राजकोट से 10 करोड़ आए हैं, उनमें से एक करोड़ रुपये दे दे।" ऐसा कहकर उसे कार में ले जाया गया था। फिरौती की मांग के बाद व्यापारी को अब्रामा गांव के पास छोड़ दिया गया।

पूरे मामले में व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। सट्टे की बाकी 2.50 लाख रुपये की उधारी के मामले में अपहरण किया गया था, यह पुलिस जांच में सामने आया। ऑस्ट्रेलिया के दीपे ने बताया कि 10 करोड़ रुपये आकाश के पास आए थे। फोन करके जानकारी देने से आरोपियों को बाकी पैसे मिलने की उम्मीद जगी थी। हालांकि, पुलिस ने खुशाल रमेश सावलिया, हार्दिक मधु खुमान, और केविल भारत काकडिया को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

BRTS रूट में रिक्शा चालक की दबंगई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के उधना क्षेत्र में रिक्शा चालक की दबंगई का मामला सामने आया है। BRTS रूट में वह खुद अपनी रिक्शा लेकर बस के आगे घुस गया और धीमी रफ्तार से चलने लगा। जब ड्राइवर ने हॉर्न मारा, तो वह गुस्से में आ गया और अपने साथियों को बुलाकर चार रास्ते पर बस को रोक दिया। इसके बाद डंडे से बस के ड्राइवर को धमकाया और यात्रियों से भरी बस में डंडे से तोड़फोड़ की। यह हिंसक घटना BRTS में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई थी। इस घटना के कारण यात्रियों के बीच भय का माहौल बन गया था।

उधना बीआरटीएस के पास एक रिक्शा चालक बीआरटीएस रूट में घुस गया था। बीआरटीएस रूट पर रिक्शा चलाना कानूनन गलत है, लेकिन चालक धीमी गति से रिक्शा चलाता रहा। बस ड्राइवर ने हॉर्न बजाया, फिर भी रिक्शा चालक ने रिक्शा बाहर नहीं निकाली और धीमी गति से कुछ दूर तक चलता रहा। धीमी गति के कारण पीछे आ रही इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बस के ड्राइवर को परेशानी हुई। रूट पर तीन कट भी आए, लेकिन रिक्शा चालक ने बीआरटीएस रूट से अपनी रिक्शा बाहर नहीं निकाली और रूट के अंदर ही धीमी गति से चलाता रहा। रिक्शा यात्रियों से भरी हुई थी। बीआरटीएस बस चालक ने लगातार हॉर्न बजाए, लेकिन रिक्शा चालक उधना तीन रास्ते तक बीआरटीएस रूट में ही रिक्शा चलाता रहा और फिर अपनी रिक्शा वहीं रोक दी।

उधना तीन रास्ते पर रिक्शा चालक ने अपने अन्य साथियों को भी बुलाया और रिक्शा के

धीमी रिक्शा चलाने पर बस चालक ने हॉर्न मारा तो गुस्से में आ गया; साथी को बुलाकर यात्रियों से भरी बस में तोड़फोड़ की।

अंदर से कुछ लोग हाथ में डंडे लेकर बाहर आए। साथियों के साथ मिलकर उन्होंने बस पर हमला किया। रिक्शा चालक और उसके साथियों ने लकड़ी और डंडे से बस के आगे वाले मेन ग्लास को तोड़ डाला। इतना ही नहीं, बस की साइड में स्थित इमरजेंसी एग्जिट विंडो में भी तोड़फोड़ की गई थी।

BRTS इलेक्ट्रिक बस में लगभग 15 यात्री सवार थे। जब बस पर हमला हो रहा था, तो यात्रियों में डर फैल गया और पूरी बस में घबराहट का माहौल बन गया था। बस के सीसीटीवी कैमरे में यह पूरी घटना स्पष्ट रूप से कैद हो गई थी। सात से आठ लोगों के समूह ने लकड़ियों से बस पर हमला किया था। यात्रियों और बस के ड्राइवर ने इस घटना को जानलेवा बताया था।

इस हिंसक घटना ने क्क्क्ष रूट पर यात्रा करने वाले लोगों को नाराज कर दिया है। लोगों का सवाल है कि क्या सार्वजनिक परिवहन में यात्रा अब सुरक्षित रही है? तत्काल उधना पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बस चालक ओजस ने कहा, "मैं इलेक्ट्रिक बस चला रहा था, तब एक रिक्षाचालक BRTS रूट में घुस गया। दो से तीन कट पार करने के बाद भी वह रूट से बाहर नहीं निकला, इसलिए मैंने हॉर्न बजाना शुरू किया। वह बहुत धीमी गति से रिक्षा चला रहा था और आगे बढ़कर मेरे और बस पर हमला करने की कोशिश कर रहा था। हाथ में लकड़ी लेकर उसने और उसके साथियों ने मुख्य कांच और इमरजेंसी विंडो को तोड़ डाला।"